राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार ,16 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-323 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत केपी कोलेज संगीतसंध्या में पुलिस ने बंद कराया
कोविड गाईडलाइन्स का उल्घंन का हवाला

क्रांति समय,सूरत

कोरोना का संक्रमण नियंत्रण में होते ही सरकार द्वारा स्कूल और कॉलेज शुरू कर दिए गए हैं लेकिन अभी भी संभावना है कि ओमिक्रॉन जैसे वेरिएंट जोखिम पैदा कर सकते हैं। युवाओं को भी सावधान रहना चाहिए कि वे स्वेच्छा से कोरोनावायरस से संक्रमित न हों। हालांकि, सूरत के एक नामी कॉलेज के अंदर एक संगीतमय संध्या में बड़ी संख्या में छात्र जमा हो गए और उन्हें कोरोना दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते देखा गया। नजारे ऐसे दिखे जैसे कोरोना के संक्रमण का कोई डर ही नहीं है। लगता है सामाजिक दूरी को सर के.पी. कॉमर्स कॉलेज में आज संगीत संध्या

का आयोजन किया गया। संगीतमय संध्या में हैरान कर देने वाले नजारे देखने को मिले। बड़ी संख्या में छात्र ऐसे जमा हुए जैसे कोरोना का डर खत्म हो गया हो। इकट्ठा हुए हजारों छात्रों में से शायद ही किसी के चेहरे पर मास्क थे। सोशल डिस्टेंस पूरी तरह से भूला हुआ नजर आ रहा था। एक तरफ संगीत तो दूसरी तरफ छात्रों के उत्साह के बीच कोरोना को भुला दिया गया. पुलिसकर्मी

बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को लेकर एकत्रित हुए, खुले मैदान के बाद पूरा शहर चर्चा का विषय बन गया और छात्रों को कोरोना के लिए इस तरह आमंत्रित पाया गया कि जमा हो गए बड़ी संख्या में Baro-Tock। पुलिस को घटना की सूचना मिलने के बाद पीसीआर वैन कॉलेज मैदान में पहुंची और जमा हुए सभी छात्रों को तितर-बितर कर

दिया. पुलिस की गाड़ी के पहुंचते ही सभी छात्र मैदान से बाहर जा रहे थे. लेकिन हम सभी जानते हैं कि ऐसे समय में जब कोरोनरी हृदय रोग का खतरा अभी भी मंडरा रहा है,

पांडेसरा का फाइनेंसर आर्थिक तंगी के चलते अपने ही कार्यालय में लगाया फांसी

उंझा निवासी अंबालाल राकेश पटेल (45) पांडेसरा नोवा कॉम्प्लेक्स में चामुंडा वित्त के नाम से एक कार्यालय था। उन्होंने आर्थिक तंगी के कारण कोरोना में एक कार्यालय में आत्महत्या कर ली।

8 दिनों में लव जिहाद की घटनाओं के बाद सड़कों पर उतरे लोग,कड़ी कार्यवाही की मांग

भावनगर, जिले के पालीताणा में 8 दिनों के भीतर लव जिहाद की घटनाओं को लेकर लोगों में आक्रोश भड़क उठा है। घटनाओं के विरोध में हिन्दू संगठन समेत बड़ी संख्या में लोग उतर आए और विधर्मी युवकों के चंगुल से युवतियों को मुक्त कराने के साथ आरोपों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जानकारी के मुताबिक भावनगर जिले के पालीताणा शहर में 8 दिन के भीतर विधर्मी युवक दो हिन्दू युवतियों को भगा ले गए हैं। इस घटना से हिन्दू संगठन समेत स्थानीय लोगों में आक्रोश भड़क उठा। घटना के विरोध में पालीताणा में हिन्दू संगठन, व्यापारियों समेत बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए एक विशाल रैली निकालकर प्रांत अधिकारी की कचहरी पहुंचे। जहां प्रांत अधिकारी को ज्ञापन देकर विधर्मी युवकों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मांग की। हिन्दू संगठनों ने घटना के विरोध में बंद का ऐलान किया था। हिन्दू संगठनों के ऐलान को पूरा समर्थन मिला और पालीताणा के बाजार इत्यादि पूरी तरह से बंद रहे।

चाइनीज डोर का कहर : पतंग की डोर ने युवक के जिंदगी की डोर काट दी

आणंद,उत्तरायण निकट आते ही पतंग के डोर की दहशत बढ़ गई है। खासकर चाइनीज डोर जो प्रतिबंधित होने के बावजूद उसका उपयोग किया जाता है। इसी चाइनीज डोर ने एक बाइक सवार के जिंदगी की डोर काट दी। घटना है आणंद जिले की पेटलाद तहसील के माणज गांव की। पेटलाद पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। आणंद जिले के गाना मोगरी गांव निवासी 50 वर्षीय विठ्ठलभाई परमार बीती शाम मोटर साइकिल पर माणेज में नौकरी पर जा रहे थे। उस वक्तआसमान में उड रहे पतंग की डोर ने विठ्ठलभाई गले को काट दिया। लहुलूहान हालत में विठ्ठलभाई को तुरंत अस्पताल रवाना किया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही विठ्ठलभाई परमार ने दम तोड़ दिया। विठ्ठलभाई परमार की मौत से परिवार ने मुखिया खो दिया है। विठ्ठलभाई ड्राइविंग के साथ ही शाम के समय पेट्रोल पंप पर नौकरी करते थे। उनकी पत्नी भारती परमार, दो बेटे परेश और योगेश काम कर घर चलाने में मदद करते हैं। फिलहाल पेटलाद पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है

सूरत के ओलपाड में एक ठेकेदार की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई और घटनास्थल पर कंडोम मिला

सूरत जिले के ओलपाड तालुका के कुदसाद गांव के एक घर से एक बुजुर्ग ठेकेदार का शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरूकर दी है। पता चला है कि मृतक वलजी रामजी सोलंकी की धारदार हथियार से बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी. जांच कर रही पुलिस को घटनास्थल से ५ कंडोम और टूटे हुए कंगन मिले। घर में किसी अंजान व्यकित के द्वारा हत्या किया जाने के शंक में पुलिस को जानकारी मिली घटना स्थल पर पहुच कर देखने पर पुलिस और अन्य पुलिस एजेंसियों को सूचित किया गया। जब सुबह

घर का दरवाजा न खुलने पर स्थानिक लोगों ने नजदीक थाने में जानकारी दिया घटना की जाँच में पुलिस को घटना स्थल पर एक स्कुड्राइवर बरामद किया जिसके बाद आसपास में ५ कंडोम, टूटे हुए कंगन, भी बराबद किया गए. जिससे शंका के आधार पर अवैध संबंध या अन्य कारणवश इस हत्या के कारणों तक पुलिस पहुचें की कोशिश कर रहीहैं

पर्चा लीक को लेकर राजनीति गरमाई,कांग्रेस ने कहा-यह पहली घटना नहीं

गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल की ओर से आयोजित हेड क्लर्क की परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ने आरोप लगाया है कि यह कोई पहला घटना नहीं है, वर्ष 2014 से लगातार पर्चे लीक होते आए हैं। लेकिन आज तक पेपर लीक होने के मामले की निष्पक्ष जांच कर किसी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अप्रत्यक्ष रूप से अपराधियों की मदद करती है। उन्होंने कहा कि जो लोग पेपर लीक और शराब तस्करी के बारे में जानकारी देते हैं उन्हें अपराधी बताकर जेल में बंद कर दिया जाता है। जगदीश ठाकोर ने दहशत व्यक्तकि जिस मीडिया ने पेपर लीक होने की जानकारी दी है, उसे सरकार कहीं जेल न भेज दे। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री या नेता के करीबियों को ही सरकारी नौकरी मिलती है। राज्य के युवकों को सरकार पर भरोसा खत्म हो गया है। भर्ती परीक्षा के लिए पहले 25 लाख आवेदन किए जाते थे, जो आज घटकर 10 रह गए हैं। गुजरात में कोरोनाकाल की स्थिति पर सवाल उठाते हुए ठाकोर ने कहा कि आपदा दो प्रकार की होती हैं7 प्राकृतिक और सरकार की लापरवाही से उत्पन्न आपदा। सरकार की लापरवाही से उत्पन्न कोरोना की आफत से सभी परिचित हैं। कोरोनाकाल में उपचार से लेकर अंतिम संस्कार तक के लिए कतार लगी थी। इतनी मौतें हुईं कि स्मशान की भट्ठियां आग में जलकर गल गईं। इसके बावजूद सरकार कोरोना से मौत के सही आंकड़े स्वीकार करने को तैयार नहीं है। सरकार ने कोरोना से मौत का आंकड़ा केवल 10000 बताया था। जबकि अब तक 20000 से अधिक लोगों को आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। कोविड मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की सहायता के प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार ने केवल 50000 की सहायता दी है। और वह भी जब अदालत ने फटकार लगाई तब जाकर राज्य सरकार ने आर्थिक सहायता दी। यानी जब तक कोर्ट की फटकार न मिले तब तक सरकार कोई काम नहीं करती।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों ओर फैलती है। - विलियम शेक्सपियर

संपादकीय

जांच का इशारा

लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की भूमिका को लेकर विशेष जांच दल ने जो बातें अदालत के सम्मुख रखी हैं, वे बेहद गंभीर हैं। जांच अधिकारी ने अपनी तफ्तीश में पाया है कि यह महज लापरवाही से गाड़ी चलाने व गैर-इरादतन हत्या का मामला नहीं है, बल्कि मुख्य आरोपी ने जान-बूझकर किसानों पर गाड़ी चढ़ाई थी, जिसमें चार किसान और एक पत्रकार की मौत हो गई। इसके बाद उग्र भीड़ की पिटाई से तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की भी जान चली गई थी। बहरहाल, एसआईटी ने अब अदालत से अनुरोध किया है कि आशीष के खिलाफ हत्या व सुनियोजित साजिश की धाराएं जोड़ने की इजाजत दी जाए। विगत 3 अक्तूबर को जब यह कांड हुआ था, और इसके फौरन बाद जो वीडियो फुटेज सोशल मीडिया में वायरल हुए थे, उनको देखकर देश-दुनिया में लोग सिहर उठे थे। आंदोलित किसानों, विपक्षी नेताओं के दबाव के बाद राज्य सरकार ने एसआईटी जांच का आदेश दिया था। इस मुकदमे की नियति तो अदालत में तय होगी, लेकिन यह विडंबना ही है कि इतने बड़े कांड में भी पुलिस कई दिनों तक मुख्य आरोपी की तलाश करती रही और सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद ही उसने आत्मसमर्पण किया। यह इकलौता मामला नहीं है, जब किसी रसूखदार आरोपी के आगे तंत्र की बेबसी उजागर हुई हो। अभी चंद दिनों पहले ही मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह भी कानून से आंख-मिचौली खेल रहे थे और सुप्रीम कोर्ट से संरक्षण मिलने के बाद ही पूछताछ के लिए पुलिस के समक्ष उपस्थित हुए। दरअसल, ऐसी ही वारदातों के कारण पुलिस और जांच एजेंसियों की छवि जनता की निगाहों में धूमिल हुई है। कई बार तो निरीह आरोपी इस आशंका में छिपता फिरता है कि न्यायिक शिथिलता उसे न जाने कितने लंबे अरसे तक इंसाफ से दूर रखेगी! लोकतंत्र की सफलता और सरकारों का इकबाल इस बात से ही तय होता है और होगा कि तंत्र कितनी निष्पक्षता से काम कर रहा है। इसकी नजीर के लिए बहुत पीछे जाने की जरूरत नहीं है। अश्वेत अमेरिकी नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की 25 मई, 2020 को एक पुलिस अधिकारी ने निर्मम हत्या की थी। हत्यारे अफसर को एक साल के भीतर अदालत ने पद का दुरुपयोग करने और क्रूरता बरतने का दोषी पाते हुए 22 साल से अधिक की सजा सुना दी। लेकिन ऐसी पेशेवर दक्षता के लिए हमारे तंत्र को कायांतरण की जरूरत होगी। दुर्योग से कई आयोगों की सिफारिशों, सुप्रीम कोर्ट की हिदायतों के बावजूद पुलिस सुधार की कोई सुगबुगाहट नहीं दिखती। प्रशासनिक सुधार का हाल तो लोकपाल कानून का हश्र ही स्पष्ट कर देता है। नतीजा यह है कि कई बेकसूर सालोंसाल सलाखों के पीछे पड़े रह जाते हैं और साधन-संपन्न आरोपी कानूनी दांवपेच का फायदा उठाकर सामान्य जिंदगी जीते रहते हैं। इन सबसे न सिर्फ हमारा सामाजिक जीवन प्रभावित होता है, दुनिया में भी हमारी कुछ अच्छी छवि नहीं बनती। बेहतर भारत के निर्माण के लिए हमें ऐसे पेशेवर तंत्र की जरूरत है, जो सिर्फ संविधान के प्रति वफादार हो। दिक्कत यह है कि राजनीतिक प्रभाव से मुक्त ईमानदार तंत्र को गढ़ने की जिम्मेदारी राजनेताओं पर ही है। जब तक इस तंत्र का रास्ता नहीं निकलेगा, उद्दंड रईसजादों की बेलगाम रफ्तार धीमी नहीं पड़ेगी।

आज के कार्टून

मानवीय ढांचा

जग्गी वासुदेव/ मूल रूप से आप जिसे 'मैं' कहते हैं, जिसे आप मानवीय ढांचे के रूप में देखते हैं वह एक खास सॉफ्टवेयर का काम है। आज हम जानते हैं कि सॉफ्टवेयर का अर्थ है -याददाश्त, स्मृतियां। चाहे वह व्यक्तिगत मानवीय शरीर हो या विशाल ब्रह्मांडीय शरीर, सब कुछ मूल रूप से पांच तत्वों से बना है-मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु और आकाश। और इन पांच तत्वों की भी अपनी अलग स्मृति है। यही कारण है कि वे एक विशेष ढंग से व्यवहार करते हैं। बस एक विचार या भावना के साथ आप पानी की रासायनिक संरचना को बदले बिना, उसकी आण्विक संरचना को बदल सकते हैं। बिना किसी रासायनिक परिवर्तन के, वही पानी विष भी बन सकता है और जीवन का अमृत भी। यह बस इस बात पर निर्भर करता है कि वह किस प्रकार की स्मृति अपने साथ ला रहा है। वह जो कल मिट्टी थी, आज हमारा भोजन बन जाती है। कल जो भोजन था, वह मनुष्य बन जाता है। वही भोजन वापस मिट्टी बन जाता है। तो यह क्या और कैसे हो रहा है? मिट्टी किस तरह से एक फल, फूल या कुछ और चीज बन जाती है? ये सिर्फ बीज में मौजूद स्मृति (याददाश्त) की वजह से होता है। कैसे कोई अपने पिता या अपनी मां की तरह दिखता है? ये बस वो स्मृति है जो उस एक कोशिका में होती है और आगे बढ़ती है। सामग्री वही है-बस वही पांच तत्व। लेकिन ये स्मृति है जो आगे बढ़ती है और मिट्टी को भोजन और भोजन को मनुष्य बनाती है। और बस एक विचार के साथ, एक भावना के साथ और अपनी ऊर्जाओं पर कुछ खास नियंत्रण के साथ आप इस स्मृति, याददाश्त पर उस हद तक जबरदस्त प्रभाव डाल सकते हैं कि इसके बारे में सब कुछ बदल जाएगा। आज ऐसे बहुत सारे वैज्ञानिक सबूत उपलब्ध हैं जो दिखाते हैं कि बस एक विचार या भावना के साथ आप पानी की रासायनिक संरचना को बदले बिना, उसकी आण्विक संरचना को बदल सकते हैं। बिना किसी रासायनिक परिवर्तन के, वही पानी विष भी बन सकता है और जीवन का अमृत भी। यह बस इस बात पर निर्भर करता है कि उसमें किस प्रकार की स्मृति है। हमारी दादी-नानी हमें बताती थीं कि हमें हर किसी के हाथ से पानी या भोजन नहीं ले लेना चाहिए-हमें ये सिर्फ उन लोगों के हाथ से लेना चाहिए जो हमें प्रेम करते हैं, परवाह करते हैं।

ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता की दरकार

- योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनिया भर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरंतर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परंपरागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा की न्यूनतम मात्रा का उपयोग करने और इसके अनावश्यक उपयोग से बचने को ही 'ऊर्जा संरक्षण' कहा जाता है। ऊर्जा संरक्षण का सही अर्थ ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग से बचते हुए कम से कम ऊर्जा का उपयोग करना है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो का कहना है कि ऊर्जा संरक्षण योजना को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण को शामिल करना चाहिए। विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' (ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी) भी स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है। अगर कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। यथासंभव खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचंड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे। सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्य क्षमता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बर्बादी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। हालांकि दैनिक जीवन में उपयोग के लिए जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा स्रोतों द्वारा पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न की जा रही है लेकिन ऊर्जा की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में इन ऊर्जा संसाधनों की अत्यधिक कमी होने या इनके समाप्त होने का भय पैदा हो गया है। यही कारण है कि भारत सहित दुनियाभर में अब ऊर्जा के गैर-अक्षय संसाधनों के मुकाबले अक्षय ऊर्जा संसाधनों की मांग निरंतर तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। अक्षय ऊर्जा असीमित और प्रदूषणरहित ऊर्जा है, जिसका नवीकरण होता रहता है। ऊर्जा संरक्षण की आदतों को अपनाने के साथ ही ऐसे अक्षय ऊर्जा संसाधनों की ओर कदम बढ़ाना आज समय की सबसे बड़ी मांग है। ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन से बचाव के दृष्टिगत भी अक्षय ऊर्जा संसाधनों को प्रोत्साहित किया जाना जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बदलाव की बयार के लिए बेबाक पहल हो

दीपिका अरोड़ा

हाल ही में, दहेज प्रथा के विरुद्ध युवा-जागरूकता के कुछ सराहनीय उदाहरण प्रकाश में आए। प्रथम प्रकरण में क्रेटा गाड़ी की मांग पूर्ण न होने से रुष्ट भावी दूल्हा नियत तिथि पर बारात लेकर न पहुंचा तो हरियाणा में महेंद्रगढ़ जिले के ग्राम आकोदा निवासी नवयुवती ने साहसिक पहल दिखाते हुए, उसके विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करवा दी। दूसरा मामला पंजाब में, जालंधर के कोहालां गांव से संबद्ध है, जहां अंगूठियों के लेन-देन संबंधी विवाद से आहत दुल्हन ने दहेज लोभियों के साथ विदा होने से इनकार करते हुए, आरोपितों के विरुद्ध बयान दर्ज करवाए। रोहतक के गांव निंदाना में एक किसान के बेटे ने पारिवारिक सदस्यों की मौजूदगी में, बिना दहेज विवाह करके समाज में आदर्श स्थापित किया। दुल्हन की विदाई भी दूल्हे की बाइक पर हुई। इससे पूर्व भी विभिन्न क्षेत्रों से दहेज के विरुद्ध बिगुल फूंकने संबंधी कुछ समाचार आते रहे हैं। निश्चय ही ये सामाजिक बदलाव के मद्देनजर सुखद संदेश हैं, किंतु दहेज-प्रथा की वर्तमान स्थिति का आकलन किया जाए तो यह एक गंभीर समस्या बनकर समाज की जड़ों में गहरी पैठ बना चुकी है। दरअसल, दहेज एक जबरन थोपी गई प्रथा है, जिसका हमारे ग्रंथों में कोई उल्लेख नहीं मिलता। चिंता का विषय है, बेटी की विदाई पर आशीर्वाद स्वरूप उपहार भेंट करने की पावन परम्परा आज विद्रूपता के चरम पर है। वर-पक्ष दहेज मांगना अपना अधिकार समझता है, तो वधू-पक्ष के लिए यह समस्या बन गई है। धनाढ्य वर्ग द्वारा दहेज के रूप में किया गया संपन्नता प्रदर्शन, मध्यवर्गीय परिवारों के लिए विवशता के विष बीज बोकर उन्हें कर्जदार तक बना डालता है। मांग पूरी न होने पर वधू का मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न इसका सर्वाधिक भर्त्सनायोग्य पहलू है। भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय कृत्य में दहेज-प्रबंधन समस्या एक मुख्य कारण रही है। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग हर घंटे एक दहेज उत्पीड़ित महिला मृत्यु को प्राप्त होती है। वर्ष 2017 से 2019 के आंकड़ों के तहत दर्ज मामलों में प्रतिवर्ष बढ़ोतरी देखी गई, जो कि वर्ष 2017 में 10189, 2018 में 12826 और 2019 में 13297 रही। दहेज का यह दावानल 2017 में 7466, 2018 में 7167 तथा 2019 में 7115 बेटियों का जीवन निगल गया। दहेज निरोधक कानून-1961' के अनुसार दहेज लेना-देना, दोनों अपराध हैं। पीड़ित महिला 181 हेल्पलाइन नम्बर पर, पुलिस स्टेशन जाकर अथवा कोर्ट में केस दर्ज करवा सकती है। महिला अधिकारों से जुड़ी गैर-सरकारी संस्थाएं भी केस दर्ज करवाने का अधिकार रखती हैं, जिला अधिकारी ऐसे मामलों का संज्ञान स्वयंमेव ले सकते हैं। 498-ए के तहत आरोप सिद्ध होने पर देय जुर्माने सहित 3 से 5 वर्ष की सजा का प्रावधान है। दहेज निषेध नियमावली-1985' के अनुसार वैवाहिक उपहारों की एक हस्ताक्षरित सूची बनाकर रखी जाए, जिसमें उपहार, उनका अनुमानित मूल्य, प्रदाता का नाम व प्राप्तकर्ता से संबंध का संक्षिप्त विवरण शामिल हो। यद्यपि दहेज प्रथा उन्मूलन हेतु अनेक नियम व कानून लागू किए गए, तथापि व्यावहारिक रूप में इनका नियमन संभव नहीं हो पाया। वर्ष 1997 की एक अनुमानित रिपोर्ट के अनुसार प्रतिवर्ष 5,000 महिलाएं दहेज हत्या का शिकार होती हैं। 2019 में महिलाओं के विरुद्ध कुल 4,05,861 आपराधिक मामलों में 30 प्रतिशत अपराध ससुरालपक्ष द्वारा किए गए। 'दुल्हन ही दहेज है'' के आदर्श नारे को झुठलाती लोमहर्षक घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि यथार्थ में लोलुप मानसिकता के लिए दहेज ही दुल्हन' है। कहीं अयोग्य वर-वरण में अर्थाभाव कारण रहा तो कहीं योग्यता महंगे तराजू में तुल गई। इस कुप्रथा में वे अभिभावक बराबर के भागीदार हैं जो बेटी के सुखद भविष्य की परिकल्पना में यह भूल जाते हैं कि विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसमें मोल-तोल की कोई गुंजाइश नहीं। योग्यता, स्वभाव, संस्कार तथा पारस्परिक सामंजस्य ही सुखद दाम्पत्य का आधार है, न कि भौतिकता। बेटियों के लिए दहेज का जुगाड़ करने की अपेक्षा उसे शिक्षित, संस्कारी, सक्षम व आत्मनिर्भर बनाएं ताकि वह सामाजिक कुरीतियों का डटकर विरोध कर सके। भूलकर भी उसे दहेज की ज्वाला में न झोंकें, क्या मालूम उसका अस्तित्व ही जलकर राख हो जाए। समुचित पालन-पोषण के माध्यम से बेटों को सुयोग्य, स्वाभिमानी व स्वावलंबी बनाएं; बिकाऊ वस्तु अथवा भिखारी नहीं। कन्या के गुणों को अधिमान दें, न स्वयं व्यापारी बनें और न ही अपनी संतान को इस निंदनीय सौदेबाजी में संलिप्त होने दें। दहेज रूपी कोढ़ का निराकरण समाज, व्यवस्था व सरकारों के समग्र योगदान से ही संभव है। कानून का कड़ाई से पालन हो, आरोपियों को दंड मिले एवं किसी भी स्तर पर कानून का दुरुपयोग न होने पाए। इसके लिए व्यवस्था की कर्तव्यनिष्ठा जितनी महत्वपूर्ण है, उससे भी कहीं आवश्यक है युवाओं का दृढ़संकल्प होना।

सू-दोकू नवताल -1991

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

सू-दोकू -1990 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1991

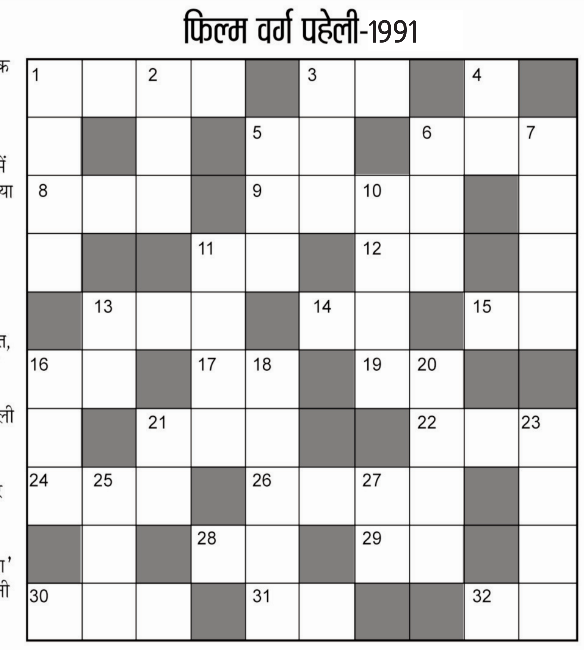

बायें से दायें:-

1. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-4
3. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-2
5. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-2
6. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-3
8. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-3
9. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-2,2
11. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-2
12. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-2
13. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-3
14. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-2
15. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-2
16. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-2
17. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-2
19. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-2
21. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-3
22. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-3
24. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-3
26. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-4
28. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-2
29. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-2
30. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-3
31. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-2
32. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-4
2. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
3. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-3
4. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-2
5. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-3
6. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-3
7. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-4
10. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-2,2
11. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-4
13. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-2
16. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-3
18. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-5
20. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-2
23. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-2,2
25. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-3
27. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1990

मु	सा	फि	र		ड	कै	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	हा		का	श		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	र्मा		म		रा	व	ण	रा	ज

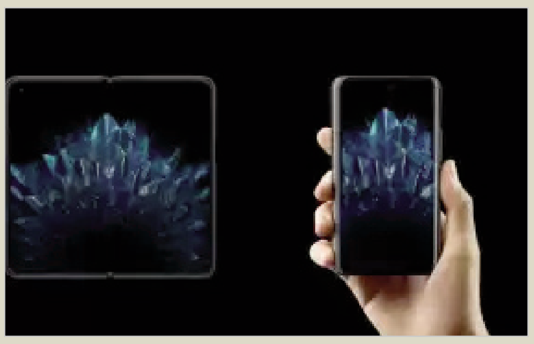

ओप्पो ने पेश किया अपना पहला फोल्डेबल स्मार्टफोन फाइंड एन

नई दिल्ली। स्मार्टफोन निर्माता ओप्पो ने बुधवार को अपने पहले फोल्डेबल फ्लैगशिप स्मार्टफोन ओप्पो फाइंड एन का अनावरण किया है। यह स्मार्टफोन पीछे की तरफ ट्रिपल-कैमरा, इनर और बाहरी दोनों डिस्प्ले पर सेल्फी कैमरा, क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 888 चिपसेट और 12 जीबी तक रैम के साथ आता है। इस फोन को ओप्पो के आईएनएनओ डे 2021 इवेंट के दूसरे दिन लॉन्च किया गया। इसमें 7.1 इंच का इनर डिस्प्ले और 5.49 इंच का बाहरी डिस्प्ले है। 8.4ः9 एस्पेक्ट रेशियो के साथ, आंतरिक डिस्प्ले सीधे लैंडस्केप मोड में सामने आता है ताकि उपयोगकर्ता डिवाइस को घुमाने के अतिरिक्त चरण के बिना वीडियो देख सकें, गेम खेल सकें या किताबें पढ़ सकें। ओप्पो के मुख्य उत्पाद अधिकारी पीट लाउ ने कहा, ओप्पो ने एक फोल्डेबल स्मार्टफोन के लिए एक बेहतर दृष्टिकोण के साथ आने के लिए एक महत्वपूर्ण समय और प्रयास का निवेश किया है। एक नया उपकरण बनाने के लिए कई प्रकार के फॉर्म फैक्टर, हिंज डिजाइन, डिस्प्ले कंटेंट और एस्पेक्ट रेशियो के साथ प्रयोग किया है, जो उपयोगकर्ता की अधिक जरूरतों को पूरा करता है। ट्रिपल-कैमरा सेटअप में 50 एमपी सोनी आईएमएक्स 766 मुख्य सेंसर, 16 एमपी अल्ट्रा-वाइड लेंस और 13 एमपी टेलीफोटो लेंस शामिल है। ओप्पो फाइंड एन में 12 जीबी तक रैम और 512 जीबी की इंटरनल स्टोरेज दी गई है। इसके अलावा, हैंडसेट में 4,500 एमएएच की बैटरी है जो पूरे दिन की बैटरी लाइफ देने का दावा करती है, जबकि 33 वॉट सुपरवूक फ्लैश चार्ज को 30 मिनट में 55 प्रतिशत और 70 मिनट में 100 प्रतिशत चार्ज करने के लिए अनुकूलित किया गया है। यह 15 वॉट एयरवूक वायरलेस चार्जिंग (स्टैंडर्ड क्यूआई के साथ कम्पेटिबल) और 10 वॉट रिवर्स वायरलेस चार्जिंग के साथ भी आता है। ओप्पो फाइंड एन में एक साइड-माउंटेडफिंगरप्रिंट स्कैनर शामिल है जिसे पॉवर बटन में रखा गया है, साथ ही एक डुअल स्पीकर सिस्टम और अधिक लाइफलाइक साउंड देने के लिए डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट करता है। कंपनी ने अभी इसकी कीमत और घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता का खुलासा नहीं किया है। ओप्पो फाइंड एन फोल्डेबल फॉर्म फैक्टर के लिए एक नया दृष्टिकोण लाता है और उन लोगों के लिए एक ताजा उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करता है, जिन्होंने अतीत में फोल्डेबल डिवाइस का उपयोग किया है। साथ ही उन यूजर्स के लिए जो फोल्डेबल फॉर्म फैक्टर के लिए नए हैं।

एनटीपीसी ने भारत की पहली ग्रीन हाइड्रोजन माइक्रोग्रिड प्रोजेक्ट को दिया पुरस्कार

नई दिल्ली। एकीकृत ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी ने बुधवार को कहा कि उसने एनटीपीसी सिम्हाद्री, आंध्र प्रदेश में इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग कर हाइड्रोजन उत्पादन के साथ स्टैंडअलोन फ्यूल-सेल आधारित माइक्रो-ग्रिड की परियोजना प्रदान की है। कंपनी के अनुसार, यह भारत का पहला ग्रीन हाइड्रोजन आधारित एनर्जी स्टोरेज प्रोजेक्ट होगा और दुनिया की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक होगी। कंपनी ने कहा, यह बड़े पैमाने पर हाइड्रोजन ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं का अग्रदूत होगा और देश के विभिन्न ऑफ-ग्रिड और रणनीतिक स्थानों में कई माइक्रोग्रिड के अध्ययन और तैनाती के लिए उपयोगी होगा। निकटवर्ती फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट से इनपुट पावर लेकर उन्नत 240 किलोवॉट सॉलिड ऑक्साइड इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग करके हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाएगा। धूप के घंटों के दौरान उत्पादित हाइड्रोजन को उच्च दबाव पर संग्रहित किया जाएगा और 50 किलोवॉट सॉलिड ऑक्साइड फ्यूल सेल का उपयोग करके विद्युतीकृत किया जाएगा। सिस्टम शाम 5 बजे से सुबह 7 बजे तक स्टैंडअलोन मोड में काम करेगा। कंपनी के अनुसार, अद्वितीय परियोजना विन्यास एनटीपीसी द्वारा इन-हाउस डिजाइन किया गया है। भारत के लिए यह अनूठी परियोजना देश के दूर-दराज के क्षेत्रों जैसे लद्दाख, जम्मू और कश्मीर (जम्मू-कश्मीर) आदि को डीकार्बोर्नाइज करने के लिए दरवाजे खोल देगी, जो अब तक डीजल जनरेटर पर निर्भर है।

पेट्रोल-डीजल पर टैक्स से पिछले 3 साल में सरकार ने कमाए 8 लाख करोड़: वित्त मंत्री

बिजनेस डेस्क: केंद्र ने पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान पेट्रोल और डीजल पर करों से लगभग 8.02 लाख करोड़ रुपए की कमाई की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद को यह जानकारी दी। इसमें से अकेले वित्त वर्ष 2020-21 में सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर करों से 3.71 लाख करोड़ रुपए से अधिक जुटाए हैं। वित्त मंत्री पिछले तीन वर्षों के दौरान पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में वृद्धि और इन ईंधनों पर विभिन्न करों के माध्यम से अर्जित राजस्व के विवरण के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। सीतारमण ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क पांच अक्टूबर, 2018 के 19.48 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर चार नवंबर, 2021 को 27.90 रुपए प्रति लीटर हो गया। इसी अवधि के दौरान डीजल पर शुल्क 15.33 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 21.80 रुपए हो गया। इस अवधि के भीतर, पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क पांच अक्टूबर, 2018 के 19.48 रुपए प्रति लीटर से गिरकर छह जुलाई, 2019 तक 17.98 रुपए रह गया। वहीं इस दौरान डीजल पर उत्पाद शुल्क 15.33 रुपए से घटकर 13.83 रुपए रह गया। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क दो फरवरी, 2021 तक बढ़ते हुए क्रमशः 32.98 रुपए और 31.83 रुपए हो गया था और फिर चार नवंबर, 2021 को 27.90 रुपए प्रति लीटर (पेट्रोल) और 21.80 रुपए (डीजल) तक आ गया। सीतारमण ने कहा, ÷पिछले तीन वर्षों के दौरान पेट्रोल और डीजल से एकत्रित उपकर सहित केंद्रीय उत्पाद शुल्क इस प्रकार हैंः वर्ष 2018-19 में 2,10,282 करोड़ रुपए, वर्ष 2019-20 में 2,19,750 करोड़ रुपए और वर्ष 2020-21 में 3,71,908 करोड़ रुपए। इस साल चार नवंबर को दिवाली से ठीक पहले सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच रुपए और 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी। इसके बाद कई राज्यों ने इन दो ईंधनों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) घटाया है।

लीना नायर फ्रांस के लग्जरी ग्रुप चेनल की नई सीईओ

पेरिस । भारतीय मूल की लीना नायर को फ्रांस के लग्जरी ग्रुप चैनल ने लंदन में अपना नया ग्लोबल चीफ एग्जीक्यूटिव (सीईओ) नियुक्त किया है। लीना इससे पहले यूनिलीवर में बतौर चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर थी। चैनल अपने ट्वीड सूट, क्विल्टेड हैंडबैग और नंबर 5 परफ्यूम के लिए पहचाना जाता है। लीना अगले साल जनवरी में कंपनी में आधिकारिक तौर पर शामिल हो जाएंगी। 52 साल की लीना नायर 8 साल पहले 2013 में भारत से लंदन शिफ्ट हो गई थीं। तब उन्होंने वहां एंग्लो-डच कंपनी के लंदन हेक्वार्टर में लीडरशिप और ऑर्गेनाइजेशन डेवलपमेंट की ग्लोबल वाइस प्रेसिडेंट का पद संभाला था। बाद में उन्हें 2016 में प्रमोट किया गया और वह यूनिलीवर की पहली महिला, पहली एशियाई और सबसे कम उम्र की सीएचआओ बन गईं। लीना महाराष्ट्र के कोल्हापुर की रहने वाली हैं। उन्होंने अपनी स्कूलिंग महाराष्ट्र के कोल्हापुर के होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल से पूरी की है। सांगली में वालचंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से लीना ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने जमशेदपुर के जेवियर्स स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए किया।

नवंबर में निर्यात 27.16प्रतिशत बढ़कर 30.04 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी):

इस वर्ष नवंबर में देश का निर्यात 27.16 प्रतिशत बढ़कर 30.04 अरब डॉलर हो गया है। नवंबर 2020 के दौरान निर्यात 23.62 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा ज़ारी आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2019 की तुलना में पिछले महीने के निर्यात में 16.55 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। नवंबर 2021 में गैर-पेट्रोलियम, गैर रत्न और आभूषण निर्यात 23.68 अरब डॉलर रहा, जो नवंबर 2020 की तुलना में 22.26 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। नवंबर में भारत का कुल निर्यात 50.36 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 22.80 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में व्यापार घाटा 22.91 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले समान महीने में 10.19 अरब डॉलर था।चालू वित्त वर्ष के पहले आठ माह अप्रैल-नवंबर में वस्तुओं का निर्यात 51.34 प्रतिशत बढ़कर 263.57 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 174.16 अरब डॉलर रहा था। वित्त वर्ष के पहले आठ माह में आयात 74.84 प्रतिशत के उछाल के साथ 384.34 अरब डॉलर रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 219.82 अरब डॉलर था। मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल-नवंबर में व्यापार घाटा 164.49 प्रतिशत बढ़कर 120.76 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 45.66 अरब डॉलर रहा था।

शेयर बाजारों में लगातार चौथे दिन गिरावट

सेंसेक्स 329 अंक टूटा, फेडरल रिजर्व के निर्णय पर नजर

मुंबई (एजेंसी):

शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 329 अंक टूटकर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति पर निर्णय की घोषणा से पहले निवेशक जोखिम लेने से बचे। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर के 20 महीने के निचले स्तर पर आने तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से भी शेयर बाजारों पर प्रतिकूल असर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 329.06 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,788.03 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 103.50 अंक यानी 0.60 प्रतिशत टूटकर 17,221.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 3.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में बजाज फाइनेंस रही। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, आईटीसी, टीसीएस, टाइटन, एचसीएल टेक और एचडीएफसी के शेयर भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में सन फार्मा, कोटक बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, एलएंडटी तथा एनटीपीसी शामिल हैं। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 नुकसान में रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''फेडरल रिजर्व के उदार नीतिगत रुख को समाप्त कर उसे कड़ा किए जाने की आशंका में घरेलू बाजार नीचे आया। ऐसा संभावना है कि मुद्रास्फीति दबाव के बीच अमेरिकी केंद्रीय बैंक बांड खरीद कार्यक्रम को तेजी से समाप्त करने और 2022 में नीतिगत दर में वृद्धि का संकेत दे सकता है।'' रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि सभी की नजरें अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बुधवार को होने वाली बैठक पर है। उन्होंने कहा, ''ज्यादातर विश्लेषकों को उम्मीद है कि समिति कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रॉन से उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए नीतिगत दर को बरकरार रखेगी। बांड खरीद कार्यक्रम, मुद्रास्फीति और वृद्धि को लेकर बयान महत्वपूर्ण होगा।'' एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में, जबकि जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में मिलाजुला रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.90 प्रतिशत टूटकर 73.04 डॉलर पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 40 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 20 महीने के निचले स्तर 76.28 प्रति डॉलर पर गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 763.18 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

भारत में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को लेकर हुआ बड़ा फैसला

भारत में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को लेकर हुआ बड़ा फैसला, खर्च होंगे 76 हजार करोड़ रुपए

(एजेंसी):

देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर को बड़ी राहत देते हुए कैबिनेट की बैठक में एक बड़ा ऐलान किया है। नरेंद्र मोदी सरकार ने आज सेमीकंडक्टर के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड इनसेंटिव्स **(PLI)** स्कीम्स को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री ने बुधवार को बताया कि भारत सरकार **PLI** स्कीम के तहत देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्यूफैक्चरिंग के लिए 76 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। ऐसे समय में जब माइक्रोचिप की कमी के कारण इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन प्रभावित हुआ है सरकार के इस कदम से सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनियों को फायदा होगा। इससे कंपनी को इलेक्ट्रॉनिक हब बनने में मदद मिलेगी। कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना तथा प्रोद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत निर्णय लिया गया है, जो आत्मनिर्भर भारत की सोच को और मजबूत करता है। इस दिशा में सरकार ने निर्णय लिया है कि भारत में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्यूफैक्चर के संपूर्ण इकोसिस्टम को स्थापित करने की एक महत्वकांक्षी योजना को अनुमोदित किया गया है। इस योजना के अंतर्गत 6 साल में 76 हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा, जिससे आत्मनिर्भर भारत की सोच को और मजबूती मिलेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, आज हम जिस युग में हैं, इसमें में हमारे जीवन के हर क्षेत्र में, सुबह से लेकर शाम तक इलेक्ट्रॉनिक्स का बहुत महत्वपूर्ण रोल है। इलेक्ट्रॉनिक्स के पीछे सबसे महत्वपूर्ण चीज होती है- सेमीकंडक्टर चिप। आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक फैसला लिया है, जिससे देश में सेमीकंडक्टर का पूरा इकोसिस्टम यानि सेमीकंडक्टर का डिजाइन, फैबरिकेशन, पैकेजिंग, टेस्टिंग आदि डेवलप हो सके। इस फैसले के तहत केंद्र सरकार 76 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगी। केंद्रीय अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा, ''यदि हम पिछले 7 साल में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की जर्नी देखें तो हमारी शुरुआत काफी छोटी थी लेकिन आज हम 75 बिलियन डॉलर की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग पर पहुंच चुके हैं। जिस रफ्तार से हम चल रहे हैं, अगले 6 साल में यही इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग 300 बिलियन डॉलर (20 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच जाएगी।''

इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग के

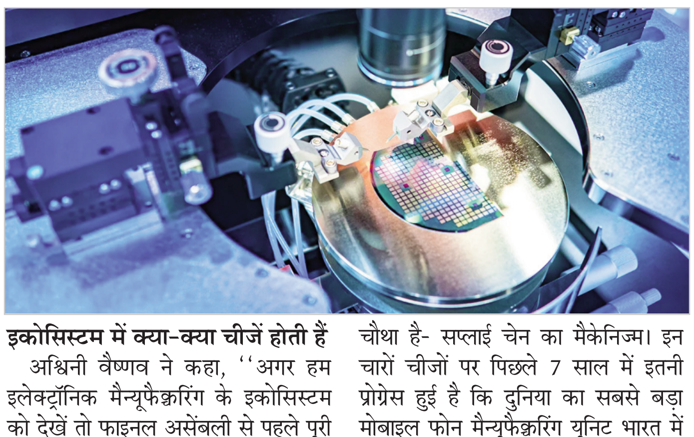

इकोसिस्टम में क्या-क्या चीजें होती हैं

अश्विनी वैष्णव ने कहा, ''अगर हम इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग के इकोसिस्टम को देखें तो फाइनल असेंबली से पहले पूरी वैल्यू चेन में 4 महत्वपूर्ण चीजें होती हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है- सेमीकंडक्टर चिप, दूसरा है- बाकी सभी कंपोनेंट्स, तीसरा है- पैकेजिंग आदि और अंत में चौथा है- सप्लाई चेन का मैकेनिज्म। इन चारों चीजों पर पिछले 7 साल में इतनी प्रोग्रेस हुई है कि दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट भारत में है। इस पूरी प्रक्रिया में जो सबसे अहम चीज थी- सेमीकंडक्टर चिप, उसकी मैन्यूफैक्चरिंग के लिए भी आज फैसला हो गया है।''

एसबीआई ने सर्विस चार्ज के जरिए ग्राहकों से कमाए 346 करोड़, वित्त मंत्रालय ने दी जानकारी

(एजेंसी):

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने ग्राहकों से सर्विस फीस के तौर पर 346 करोड़ रुपए की कमाई की है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को संसद में ये जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि एसबीआई ने जन धन खातों सहित बेसिक सेविंग अकाउंट रखने वाले ग्राहकों के लिए अतिरिक्त सेवाओं के रूप में 2017-18 से अक्तूबर 2021 तक लगभग 346 करोड़ रुपए इकट्ठा किए।

क्या कहा सरकार ने

वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने एक सवाल के लिखित उत्तर में कहा कि एसबीआई द्वारा इस संबंध में सूचित किया गया है। भारतीय स्टेट बैंक ने 2017-18 से अक्तूबर 2021 तक की अवधि के दौरान न्यूनतम अनुमानित फ्री सर्विस के बाद ग्राहकों द्वारा मांगी अतिरिक्त सेवा देने के पर 345.84 करोड़ रुपए शुल्क जमा किया है। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रधान मंत्री जन धन योजना के तहत खोले गए

खातों सहित बेसिक सेविंग बैंक जमा खाता बुनियादी न्यूनतम सुविधाएं निः शुल्क और न्यूनतम शेष राशि बनाए रखने की आवश्यकता के बिना दिया जाता है। आरबीआई ने बैंक को सलाह दी है कि वे गैर-भेदभावपूर्ण तरीके से उचित और पारदर्शी आधार पर निर्धारित बुनियादी न्यूनतम सेवाओं से परे अतिरिक्त सेवाओं पर चार्ज लगाने के लिए स्वतंत्र है।

देश के दो रईसों अंबानी और अडानी ने अपने निवेशकों को किया मालामाल

मुंबई (एजेंसी)।

देश के दो सबसे बड़े रईसों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की कंपनियों ने निवेशकों पर जमकर पैसा की बरसात की है।रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे बड़ी वेल्थ क्रिएटर बनकर उभरी है। इसी तरह अडानी ट्रांसमिशन ने

सबसे तेजी से निवेशकों की झोली भरी है, जबकि अडानी एंटरप्राइजेज लगातार अच्छा प्रदर्शन वाली कंपनी रही। स्टडी के मुताबिक देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार तीसरी बार सबसे बड़ी वेल्थ क्रिएटर रही। 2016 से 2021 के बीच कंपनी ने 9.7 लाख करोड़ रुपये की वेल्थ जुटाई। यह अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। कंपनी ने इस मामले में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले कंपनी ने 2014 से 2019 के बीच 5.6 लाख करोड़ रुपये बनाए थे। इस दौरान कंपनी का मुनाफा सालाना 8 फीसदी बढ़ा जबकि शेयर की कीमत सालाना 31 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ी।इस दौरान सबसे ज्यादा वेल्थ क्रिएट करने वाली कंपनियों की सूची में टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल रहीं।

साल 2016 से 2021 के बीच सबसे तेजी से वेल्थ क्रिएट करने वाली कंपनियों की लिस्ट में अडानी ट्रांसमिशन पहले नंबर पर रही।कंपनी ने 93 फीसदी की सालाना चक्रवृद्धि दर से वेल्थ क्रिएट की है। मामले में दूसरे नंबर पर दीपक नाइट्राइट है ,इसने 90 फीसदी की सालाना चक्रवृद्धि दर निवेशकों के लिए कमाई की है। अडानी एंटरप्राइजेज ने सालाना 86 फीसदी और टैनला प्लेटफॉर्म्स ने 85 फीसदी की सालाना दर से कमाई की है। अगर आपने 2016 में देश की टॉप 10 फास्टेस्ट वेल्थ क्रिएटर कंपनियों में 10 लाख रुपये का निवेश किया होता तो आज इसकी कीमत 1.7 करोड़ रुपये होती। इन कंपनियों ने औसतन 77 फीसदी की सालाना दर से रिटर्न दिया है। इस दौरान सेंसेक्स की सालाना रफ्तार 14 फीसदी रही। इस बीच अडानी एंटरप्राइजेज मोस्ट कंसिस्टेंट औरर मोस्ट ऑल राउंड वेल्थ क्रिएटर बनकर उभरी है। स्टडी के मुताबिक 2016 से 2021 के बीच कंपनी के शेयर ने लगातार पिछले 5 साल बेहतरीन प्रदर्शन किया है और 86 फीसदी की सीएजीआर से रिटर्न दिया है। साथ ही इस शेयर ने सभी कैटगरीज में ऑल राउंड प्रदर्शन किया है।

मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को पांच वर्ष बढ़ाने को मंजूरी दी, 22 लाख किसानों को होगा फायदा

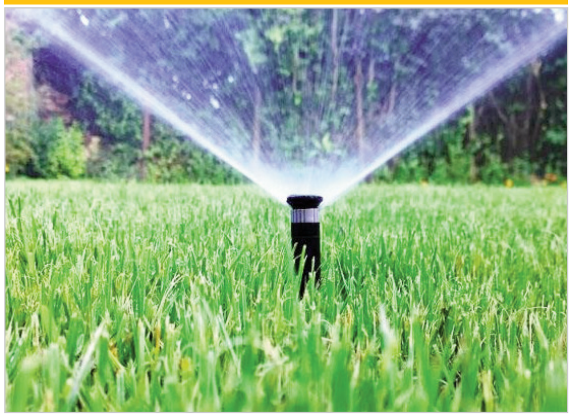

(एजेंसी):

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) को वर्ष 2021 से पांच वर्ष बढ़ाकर वर्ष 2026 तक करने के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दे दी। इस पर कुल लागत 93,068 करोड़ रुपए आने का अनुमान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय किया गया। सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को 2021-22 से 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दी है जिससे करीब 22 लाख किसानों को फायदा होगा जिसमें 2.5 लाख अनुसूचित जाति और 2 लाख अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसान हैं। सरकारी बयान के अनुसार, इस पर कुल लागत 93,068 करोड़ रुपए आने का अनुमान है। इसमें कहा गया है कि त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के तहत शामिल नयी परियोजनाओं सहित 60 चल रहीं परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान दिया जायेगा। बयान के अनुसार, हर खेत को पानी खंड के तहत सतही जल स्रोतों के माध्यम से जल निकायों के पुनर्जीवन के तहत 4.5 लाख हेक्टेयर सिंचाई तथा उपयुक्त ब्लाकों में भूजल सिंचाई के तहत 1.5 लाख हेक्टेयर की सिंचाई हो सकेगी।

केंद्र सरकार की मार्च 2024 तक 3.75 करोड़ टन पोषक तत्व युक्त चावल बांटने की योजना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मार्च 2024 तक लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं (ओडब्ल्यूएस) के माध्यम से 3.75 करोड़ टन फोर्टीफाइड (पोषक तत्व युक्त) चावल वितरित करने की योजना बनाई है, जो वर्ष 2020-21 की खाद्यान्न वितरण योजना के अनुसार सरकार द्वारा आवंटित चावल की संपूर्ण मात्रा के बराबर है। पिछले सप्ताह संसद में दिए गए एक उत्तर के अनुसार वर्ष 2021-22 में केंद्र ने एकीकृत बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) और प्रधान मंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम-पोषण) के माध्यम से 35 लाख टन फोर्टीफाइड चावल वितरित करने की योजना बनाई है, जिसे मार्च 2023 तक बढ़ाकर 1.75 करोड़ तक कर दिया जाएगा ताकि आईसीडीएस और पीएम-पोशन योजनाओं के साथ 291 महत्त्वाकांक्षी जिलों को शामिल किया जा सके। इसलिए मार्च 2024 तक देश में पूरी टीपीडीएस और ओडब्ल्यूएस को फोर्टीफाइड चावल के दायरे में ले लिया जाएगा। आवश्यक पोषक तत्वों वाले फोर्टीफाइड चावल की शुरुआत प्रायोगिक आधार पर तीन साल के लिए वर्ष 2019-20 में 174.64 करोड़ रुपए के कुल व्यय के साथ की गई थी। इस प्रायोगिक योजना में 15 राज्यों के 15 जिलों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, हर राज्य में एक जिले के साथ। हालांकि केंद्र सरकार बच्चों और वयस्कों में कुपोषण से लड़ने में एक प्रभावी तरीके के रूप में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए चावल की पौष्टिकता का प्रचार कर रही है, लेकिन कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक गलत तरीका है और फिजूलखर्ची है।

रोहित और विराट के एकसाथ नहीं खेलने से होगा नुकसान : कीर्ति आजाद

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे में जहां विराट कोहली एकदिवसीय सीरीज में नहीं रहेंगे। वहीं रोहित शर्मा चोटिल होने के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये हैं। दोनो ही शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के एकसाथ नहीं खेलने से भारतीय टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ना तय है। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने भी कहा है कि अगर ये दोनों खिलाड़ी साथ में नहीं खेलते हैं तो भारतीय टीम को नुकसान होगा। आजाद ने कहा अगर रोहित और विराट साथ में नहीं खेल रहे हैं तो इसका खामियाजा भारतीय टीम को उठाना पड़ेगा। साथ ही कहा कि सबसे पहले इनको ही परेशानी होगी क्योंकि एक खिलाड़ी अपनी कप्तानी में दूसरे को हटा देगा। कोई भी ऐसा नहीं है, जिसे न हटाया जा सके। कई महान खिलाड़ी आए और चले गए। सुनील गावस्कर, कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली। इसलिए अगर ये दोनों एक-दूसरे की कप्तानी में नहीं खेलेंगे तो सबसे पहले अपने को मुश्किलों में डालेंगे। आजाद ने साथ ही कहा रोहित अस्वस्थ हैं और कोहली एकदिवसीय सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। आपके दो सबसे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी एक न एक सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह टीम के लिए चिंता की बात है। वे भारतीय बल्लेबाजी के मुख्य आधार हैं और बोर्ड को पता करना चाहिए कि समस्या कहां है यदि ऐसा कुछ है तो उसे दूर करें।

हॉकी: दिलप्रीत की हैट्रिक और जरमनप्रीत के दो गोल से भारत ने बांग्लादेश को 9-0 से हराया

ढाका (एजेंसी) ।

स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह की हैट्रिक से गत चैम्पियन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत ने बुधवार को यहां मेजबान बांग्लादेश को 9-0 से हराकर एशियाई चैम्पियंस ट्राफी (एसीटी) पुरूष हॉकी टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की। दिलप्रीत (12वें, 22वें और 45वें) ने भारत के लिये तीन मैदानी गोल किये जबकि जरमनप्रीत सिंह (33वें, 43वें) ने पेनल्टी कॉर्नर से दो गोल दागे। इस बीच में ललित उपाध्याय (28वें) ने उप कप्तान हरमनप्रीत सिंह की पेनल्टी कॉर्नर से की गई फ्लिक को गोल में बदला। आकाशदीप सिंह (54वें) ने मैदानी गोल किया जबकि मंदीप मोर ने 55वें मिनट में देश के लिये अपना पहला गोल दागा। इतना ही काफी नहीं था कि हरमनप्रीत ने भी स्कोरशीट में अपना नाम लिखवा दिया, उन्होंने 57वें मिनट में भारत के 13वें पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। टोक्यो ओलंपिक के ऐतिहासिक अभियान के बाद कुछ नए खिलाड़ियों के साथ पहला टूर्नामेंट खेल रही मनप्रीत सिंह की अगुआई में भारत ने मंगलवार को टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में कोरिया से 2-2 से ड्रा खेला था। भारतीय टीम अब शुक्रवार को राउंड रोबिन चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। कोरियाई टीम द्वारा टूर्नामेंट के शुरूआती मैच को ड्रा कराने के बाद भारतीय टीम अपने से निचली रैंकिंग की बांग्लादेश के खिलाफ जीत के इरादे से ही उतरी थी और उसने पहले दो क्वार्टर में पूरी तरह दबदबा बनाये रखा। शुरू से ही भारत ने लगातार हमले किये और इस दौरान आठ पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किये लेकिन केवल एक को ही गोल में बदल सकी। बांग्लादेश की टीम ने भी अच्छा बचाव किया जिसमें उसके गोलकीपर अबु निप्पो ने विपक्षी टीम के प्रयासों को रोककर शानदार प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के मजबूत रक्षण का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत ने पहले 12 मिनट में आठ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम प्रतिद्वंद्वी की बैकलाइन को तोड़ने में विफल रही। कुछ सेंकेंड बाद दिलप्रीत ने सर्कल के बाहर से कप्तान मनप्रीत के पास पर मैदानी गोल कर भारत को बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में भी यही क्रम जारी रहा और भारत ने बांग्लादेश की रक्षात्मक चूक की बदौलत बढ़त दोगुनी की। इसमें बांग्लादेश के कप्तान अशरफुल इस्लाम की गलती रही जिसमें सर्कल के अंदर उनसे पास पर भारत को फ्री हिट मिली और सुमित वाल्मिकी ने तेजी से इसे सर्कल के अंदर दिलप्रीत की ओर किया जिन्होंने रिवर्स हिट पर टीम के लिये दूसरा गोल कर दिया। भारत ने 28वें मिनट में बढ़त तिगुनी कर दी जब ललित ने हरमनप्रीत के पेनल्टी कॉर्नर के वैरिएशन पर गोल किया। छोर बदलने के बाद भारत ने जरमनप्रीत के पेनल्टी कॉर्नर से किये गये गोल से बढ़त बढ़ा ली।

प्रणय बीडब्लूएफ के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

हुएल्वा (एजेंसी)।

भारत के एचएस प्रणय स्पेन के हुएल्वा में जारी बीडब्लूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। वहीं भारत के ही एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी पहले दौर के मुकाबले में हार के साथ ही बाहर हो गई है। प्रणय ने पुरुष एकल में मलेशिया के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लियू डेरेन को लगातार गेमों में 21-7, 21-17 से हराया। प्रणय ने शुरुआत से ही मैच में आक्रामक रुख अपना कर विरोधी मलेशियाई खिलाड़ी पर दबाव बनाये रखा। प्रणय ने मैच में तीन गेम अंक बनाए, जबकि लियू एक भी गेम अंक भी नहीं बना पाये। वहीं भारत के ही अर्जुन और ध्रुव की जोड़ी को पुरुष युगल के पहले दौर के मुकाबले में व्लादिमीर इवानोव और इवान सोजोनोव की रूसी जोड़ी ने हराया। रूसी जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को सीधे सेटों में 21-11, 21-16 से पराजित किया। इस मुकाबले में अर्जुन और ध्रुव शुरुआत से ही संघर्ष करते नजर आए जबकि रुसी जोड़ी का दबदबा बना रहा।

खेल पत्रकार संघ ने नीरज चोपड़ा को चुना साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, गावस्कर को भी मिला अवॉर्ड

मुंबई । भारतीय खेल पत्रकार महासंघ (एसजेएफआई) ने मंगलवार को प्रतिष्ठित 'एसजेएफआई पदक' महान क्रिकेट सुनील गावस्कर को देने का फैसला किया। एसजेएफआई ने गुवाहाटी में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में यह फैसला किया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार तोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए एकमात्र स्वर्ण पदक जीतने वाले भाला फेंक के खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को एसजेएफआई का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना गया जबकि तोक्यो में रजत पदक जीतने वाली भारोत्तोलक मीराबाई चानू को साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। पैरालंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाले सुमित अंतिल और प्रमोद भगत पुरुष वर्ग में साल के सर्वश्रेष्ठ पैरा खिलाड़ी का पुरस्कार साझा करेंगे जबकि निशानेबाज अवनी लेखरा को साल की सर्वश्रेष्ठ महिला पैरा खिलाड़ी चुना गया। एजीएम में केरल के ए विनोद को एसजेएफआई का नया अध्यक्ष चुना गया जबकि मुंबई के प्रशांत केनी नए सचिव और असम के विद्युत कलिता कोषाध्यक्ष होंगे।

गांगुली-कोहली आमने-सामने, विराट बोले- कप्तानी को लेकर किसी ने मुझसे बात नहीं की

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने बुधवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम चयन से 90 मिनट पहले उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटाया गया और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें कभी टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार करने को नहीं कहा जैसा बोर्ड ने दावा किया है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय कप्तान ने सभी कड़े सवालों का जवाब दिया और कहा कि वह सीमित ओवरों की टीम के नए कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के 'विजन' का पूरा समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह समझ सकते हैं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सीमित ओवरों के टूर्नामेंटों में ट्रॉफी नहीं जीत पाने के कारण उन्हें हटाया गया। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के इस बयान के संदर्भ में कि बोर्ड ने उनसे आग्रह किया था कि वह कप्तानी नहीं छोड़ें क्योंकि सीमित ओवरों के प्रारूपों में दो कप्तान होना शायद सही नहीं होगा, कोहली ने कहा कि जो फैसला किया गया उसे लेकर जो भी संवाद हुआ, उसके बारे में जो भी कहा गया वह गलत है। आठ दिसंबर को टेस्ट श्रृंखला के लिए चयन बैठक से डेढ़ घंटा पहले मेरे साथ संपर्क किया गया और इससे पहले टी20 कप्तानी को लेकर मेरे फैसले की घोषणा के बाद से मेरे साथ कोई संपर्क नहीं किया गया था। कोहली ने कहा कि मुख्य चयनकर्ता ने टेस्ट टीम पर चर्चा की जिस पर हम दोनों सहमत थे। बात खत्म करने से पहले मुझे बताया गया कि पांच चयनकर्ताओं ने फैसला किया है कि मैं वनडे का कप्तान नहीं रहूंगा जिस पर मैंने कहा 'ठीक है, कोई बात नहीं'। अगले सवाल पर हालांकि कोहली और बीसीसीआई पदाधिकारियों के बीच के मतभेद सामने आ गए। लेकिन आपने कहा था कि आप सिर्फ 2023 वनडे अंतरराष्ट्रीय विश्व कप तक कप्तान बने रहना चाहते हो? इस पर कोहली ने हंसते हुए पूछा कि क्या यह सवाल था? इस पर संवाददाता ने दोबारा पूछा कि हां, यह सवाल है क्योंकि

आपने कहा था कि आप भारत की वनडे टीम का कप्तान बने रहना चाहते हैं। जब मैंने टी20 कप्तानी छोड़ी तो मैंने पहले बीसीसीआई से संपर्क किया और उन्हें अपने फैसले के बारे में बताया और उनके (पदाधिकारियों) सामने अपना नजरिया रखा। भारतीय कप्तान ने गांगुली के कुछ दिन पहले के बयान से बिलकुल विपरीत जानकारी देते हुए कहा कि मैंने कारण बताए कि आखिर क्यों मैं टी20 कप्तानी छोड़ना चाहता हूं और मेरे नजरिए को अच्छी तरह समझा गया। कुछ गलत नहीं था, कोई हिचक नहीं थी और एक बार भी नहीं कहा गया कि आपको टी20 कप्तानी नहीं छोड़नी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

सनवे सिट्जस इंटरनेशनल - सौम्या और मेरी नें किया बड़ा उलटफेर

सनवे सिट्जस इंटरनेशनल टूर्नामेंट के दूसरे दिन कई उलटफेर सामने आए और सबसे बड़ा उलटफेर किया भारत की दो महिला खिलाड़ियों नें । विश्व टीम स्पर्धा मे भारत को रजत पदक दिलाने मे खास भूमिका निभाने वाली मेरी गोम्स नें प्रतियोगिता का अभी तक का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए 13वे वरीय फ्रांस के मैथ्यू कोरनेटो को सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए क्वीन पान ओपेनिंग मे 42 चालों में पराजित कर दिया । वही पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन भारत की सौम्या स्वामीनाथन नें भी बड़ा उलटफेर करते हुए 15वे वरीय ब्राज़ील के शीर्ष खिलाड़ी अलेक्ज़ेंडर फेयर को मात देते हुए लगातार अपना दूसरा अंक हासिल कर लिया । सौम्या नें सफ़ेद मोहरो से सिसिलियन डिफेंस मे 15 वे वरीय फेयर के खिलाफ खेलते हुए पहले शानदार बचाव किया और फिर सही समय पर आक्रमण करते हुए 43 चालों मे बाजी अपने नाम कर ली । टॉप बोर्ड पर एक बार फिर उक्रेन के अंटोन कोरोबोव नें पहले बोर्ड पर तो दूसरे बोर्ड पर बुल्गारिया के इवान चेपारिनोव नें क्रमशः जर्मनी के हैनेमन और भारत के सिद्धान्त महापात्रा को पराजित कर दूसरा अंक बनाया जबकि तीसरे बोर्ड पर भारत के निहाल सरीन और आठवे बोर्ड पर अर्जुन एरिगासी को क्रमशः भारत के मोक्ष दोषी और बुल्गारिया की शालिमोवा नूरगयाल से आधा अंक बांटने पर विवश होना पड़ा । अन्य प्रमुख भारतीय खिलाड़ियों मे मुरली कार्तिकेयन नें नीदरलैंड के एलिने रोबेर्स को ,एसपी सेथुरमन नें इन्डोनेशिया के एरवान मोहम्मद को ,अभिमन्यु पौराणिक नें उक्रेन के सेमेन ग्रेबेनीऊक को पराजित कर अपना दूसरा अंक बना लिया है ।

डे नाइट मैच में तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम : एंडरसन

एडिलेड। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का मानना है कि गुलाबी गेंद के टेस्ट मैच के दौरान जब लाइट जलती है तो गेंदबाजों की खेल में अधिक भूमिका होती है। उन्होंने यह भी कहा कि गुलाबी गेंद सुबह ज्यादा स्विंग करती है, लेकिन दोपहर में बॉल को स्विंग कराना कठीन है। ब्रिस्बेन में हारने के बाद इंग्लैंड एशेज में 1-0 से पीछे है और उसे एडिलेड में दूसरा टेस्ट जीतने की सख्त जरूरत है। एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड दोनों को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा घोषित 12 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था। एंडरसन ने टेलीग्राफ के कॉलम के हवाले से कहा जब लाइट रहती है तब एक गेंदबाज के रूप में खिलाड़ी गेंदबाजी करने में अच्छा महसूस करता है। पिछली बार जब हम यहां थे, तब मैंने 2019 में एक रात पाकिस्तान का टेस्ट मैच देखा था, उस मैच में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज डेविड वार्नर ने तिहरा शतक बनाया था, जो साबित करता है कि इस पिच में बल्लेबाजी करना कितना आसान है और लाल गेंद की तुलना में गुलाबी गेंद को स्विंग कराना यहां कठिन है।

अंक पाने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा : बेंगलुरु एफसी के कोच

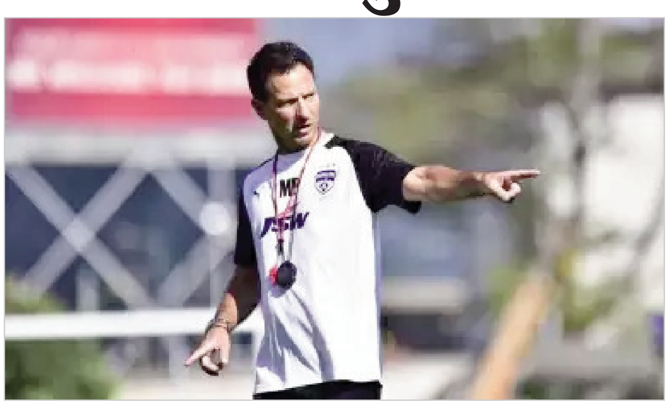

गोवा (एजेंसी)।

बेंगलुरू एफसी के मुख्य कोच मार्को पेजैउओली ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में गुरुवार को एटीके मोहन बागान के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले अपनी टीम को उन चिंताओं को दूर करने की जरूरत बताई है, जिन्हें सुधारना है। कोच मार्को ने कहा क्लब ने अब तक छह मैचों में केवल एक जीत हासिल की है। टीम का प्रदर्शन और टीमों से बेहतर नहीं है, हमें अपने खेल को बदलना होगा और टीम को नई दिशा की ओर ले जाना होगा।

उन्होंने कहा एटीके मोहन ने पिछले पांच मैच के दौरान दो में जीत हासिल की है और दो में हार। टेबल प्वाइंट में टीम छह नंबर पर है। वहीं, बेंगलुरू एफसी ने पांच मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं की है। टेबल प्वाइंट में नौ नंबर पर है। जर्मन प्रबंधक ने कहा टीम को अभी और अंक हासिल करने हैं। इसे हासिल करने के लिए हमें और टीमों से बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। खिलाड़ी मैदान में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, लेकिन फिर भी टीम जीत हासिल नहीं कर पा रही है। खिलाड़ियों को अपने खेल को बदलकर जीत हासिल करनी होगी, हमें इसकी जरूरत है। कोच ने कहा अनुभवी खिलाड़ियों को आगे आकर टीम के युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। कई हार के बाद टीम वापसी करने में सक्षम है।

BBL : ग्लेन मैक्सवेल ने सिडनी सिक्सर्स लगाया शतक, मैच में कर दी चौकों-छक्कों की बारिश

(एजेंसी) ।

बिग बैश लीग के 13वें मुकाबले में मेलबर्न स्टार्स बनाम सिडनी सिक्सर्स के बीच में मैच खेला जा रहा है। इस मैच में मेलबर्न स्टार्स के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल शानदार शतक जड़ दिया। मैक्सवेल ने सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ 57 गेंदों पर 103 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी के बदौलत ही मेलबर्न स्टार्स की टीम ने सिडनी सिक्सर्स के सामने 178 रन का लक्ष्य रखा। सिडनी की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी के लिए आई मेलबर्न स्टार्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 6 रन के अंदर ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए मेलबर्न टीम के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल आए और उन्होंने टीम की रन गति को तेजी से बढ़ाया और गेंदबाजों के खिलाफ रन बरसाने शुरू किए। मैक्सवेल ने अपनी शतकीय 103 रन की पारी के दौरान 12 चौके और 3 बड़े छक्के लगाए। इस दौरान मैक्सवेल का स्ट्राईक रेट 180.70 रहा। मैक्सवेल की पारी के बदौलत ही मेलबर्न की टीम सिडनी के खिलाफ 177 रन बनाने में कामयाब हो पाई। मेलबर्न स्टार्स की तरफ से मैक्सवेल को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज उनका ज्यादा देर साथ नहीं दे पाया।

बार्सीलोना के स्ट्राइकर सर्जियो एगुएरो ने स्वास्थ्य कारणों की वजह से फुटबॉल को कहा अलविदा

बार्सीलोना ~ बार्सीलोना के स्ट्राइकर सर्जियो एगुएरो ने स्वास्थ्य कारणों से फुटबॉल को तुरंत प्रभाव से अलविदा कह दिया है। अर्जेंटीना के 33 वर्ष के स्ट्राइकर एगुएरो स्पेनिश लीग में 30 अक्टूबर को अलावेस के खिलाफ बार्सीलोना के मैच में सीने पर हाथ रखकर मैदान से बाहर चले गए थे। उसके बाद उन्होंने दिल से जुड़े कई टेस्ट कराए। एगुएरो ने अश्रुपूरित नेत्रों से प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि उन्होंने खेल से विदा लेने का फैसला कर लिया है। दुनिया के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक एगुएरो दस साल तक मैनचेस्टर सिटी के लिये खेलने के बाद बार्सीलोना से आफ सीजन में जुड़े थे।

द.अफ्रीका दौरे पर बोले विराट कोहली- इस बार हम वहां कुछ विशेष करके आएंगे

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय टेस्ट टीम के लिए दक्षिण अफ्रीका ऐसी अंतिम जगह बची है जहां जीत की पताका लहराना बाकी है लेकिन कप्तान विराट कोहली को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम इस देश के आगामी दौरे पर 'कुछ विशेष' करके वहां श्रृंखला जीत सकती है। भारतीय टीम 26 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में जब दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी तो कोहली की कप्तानी में विदेशों में अपने हाल के प्रभावशाली रिकॉर्ड को बेहतर करना चाहेगी। कोहली ने कहा कि अनुभव, भरोसे और आत्मविश्वास के मामले में हम बहुत अच्छी स्थिति हैं और इस बार हम कुछ विशेष कर सकते हैं और बतौर टीम हम जो नतीजा चाहते हैं, वो हासिल कर सकते हैं और शायद सबसे मुश्किल परिस्थितियों से निपटकर श्रृंखला जीत सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका ऐसी जगह है जहां हमने अभी तक एक भी श्रृंखला नहीं जीती है। इसलिए हम ऐसा करने के लिए प्रेरणा से भरे हुए हैं। हमारी मानसिकता हमेशा यही है कि हम जिस भी देश में खेलने जाएं, वहां जाकर श्रृंखला जीतें। कोहली ने कहा कि हम अब एक टेस्ट यहां और एक टेस्ट वहां जीतने के बारे में नहीं सोचते। हम बतौर टीम अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम इसमें योगदान करना जारी रखें। भारत ने आस्ट्रेलिया को दो बार उसके ही घर में हराकर इतिहास रच दिया और इस साल के शुरू में ब्रिटेन के दौरे पर भी वह 2-1 से बढ़त बनाए थी लेकिन कोविड-19 मामलों के कारण इस दौरे को निलंबित करना पड़ा। भारत ने दक्षिण अफ्रीका में 20 टेस्ट खेले हैं जिसमें से टीम केवल तीन में जीत दर्ज कर सकी है और 2018 के अंतिम दौरे पर उन्होंने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन फिर भी श्रृंखला 1-2 से हार गए थे। भारत ने हाल में घरेलू सरजमीं पर दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में न्यूजीलैंड को 1-0 से शिकस्त दी थी। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में केवल तीन टीमें - इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और श्रीलंका ही दक्षिण अफ्रीका को उसकी सरजमीं पर हरा सकी हैं। कोहली ने कहा कि हम निश्चित रूप से इससे काफी प्रेरणा ले सकते हैं। हमने उस दौरे पर सबसे मुश्किल परिस्थितियों में जीत हासिल की थी। इससे हमारा

आत्मविश्वास काफी बढ़ना चाहिए। कोहली ने कहा कि अगर हमारी मानसिकता सही होगी तो हम श्रृंखला काफी आत्मविश्वास के साथ शुरू करेंगे और हम निश्चित रूप से किसी भी चुनौती का डटकर सामना कर सकते हैं और इसका पूरा लाभ उठा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप टीम में भारतीय मूल के स्पिनर को मिली जगह

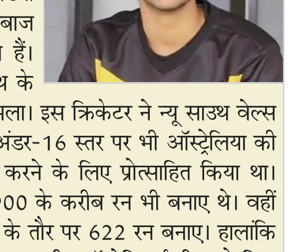

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 विश्व कप टीम में शामिल भारतीय मूल के स्पिनर निवेथन राधाकृष्णन दोनो हाथों से गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। राधाकृष्णन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स की ओर से नेट गेंदबाज रहे हैं। राधाकृष्णन का परिवार साल 2013 में तमिलनाडु से सिडनी चला गया था। राधाकृष्णन की खासियत यह है कि वह दोनों हाथ से गेंदबाज करते हैं। वे दाएं हाथ से ऑफ और बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करते हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कपन रिकी पोंटिंग, स्टीव स्मिथ के अलावा कई बड़े भारतीय क्रिकेटरों के साथ समय बिताने का अवसर भी मिला। इस क्रिकेटर ने न्यू साउथ वेल्स और तस्मानिया दोनों की ही ओर से खेला है। इससे पहले राधाकृष्णन ने अंडर-16 स्तर पर भी ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेला है। राधाकृष्णन के पिता अन्बु सेल्वन ने ही उन्हें गेंदबाजी करने के लिए प्रोत्साहित किया था। पिछले सत्र में उन्होंने प्रीमियर क्रिकेट में 20 विकेट लिए थे और लगभग 900 के करीब रन भी बनाए थे। वहीं वर्तमान सत्र में उन्होंने तस्मानिया की ओर से बाएं हाथ के ओपनर बल्लेबाज के तौर पर 622 रन बनाए। हालांकि वे शुरुआत में तेज गेंदबाज थे, लेकिन बाद में उन्होंने स्पिन गेंदबाजी करनी शुरू की। ऑस्ट्रेलियाई टीम को विश्व कप में ग्रुप-डी में मेजबान वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और श्रीलंका के साथ रखा गया है।

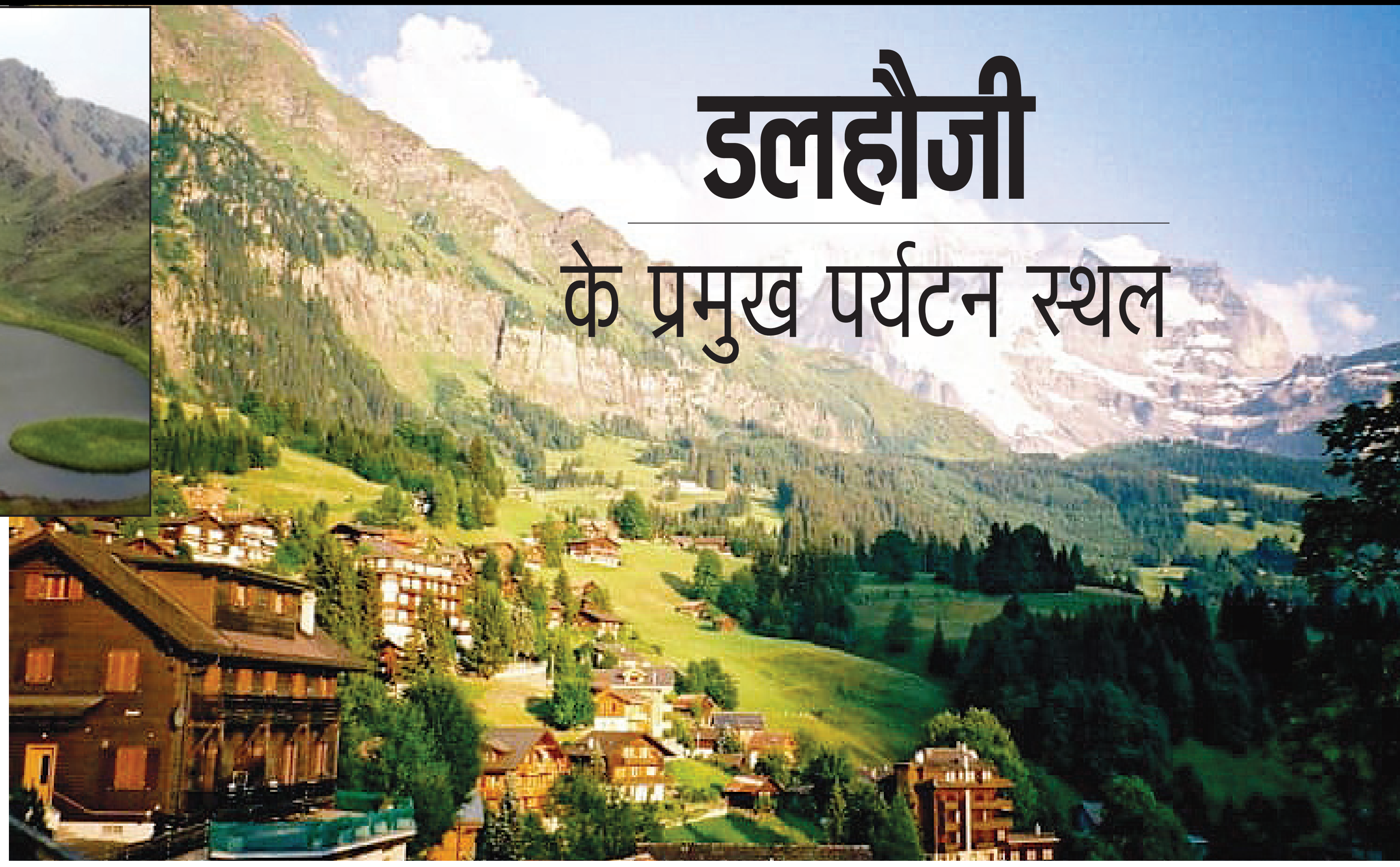

डलहौजी

के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

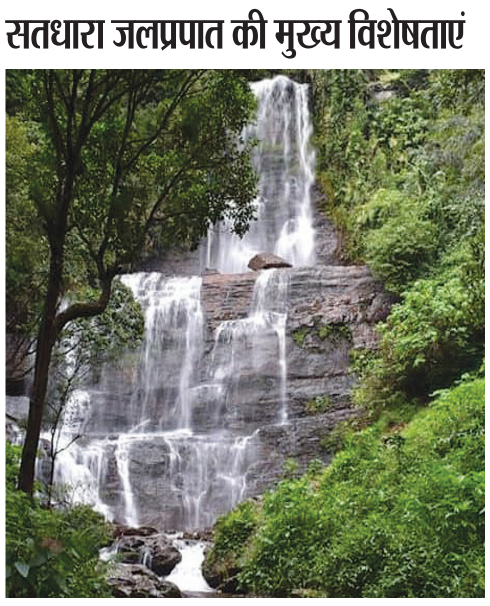

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

अमेरिकी सदन में चीन के खिलाफ अहम बिल पास, नहीं खरीदा जाएगा शिनजियांग में बना सामान

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस की प्रतिनिधि सभा ने उइगर जबरन श्रम रोकथाम अधिनियम के अंतिम संस्करण को पारित कर दिया है। इस विधेयक में चीन के शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र में जबरन श्रम से बने सामानों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। प्रतिनिधि सभा ने इस विधेयक को मंगलवार रात ध्वनि मत से पारित किया। अब इस विधेयक को सीनेट में चर्चा के लिए भेजा जाएगा।उल्लेखनीय है कि प्रतिनिधि सभा ने पिछले सप्ताह इस विधेयक को 428-1 से पारित किया था और सीनेट ने गत जुलाई महीने में इसे ध्वनि मत से पारित किया। इसी सप्ताह दोनों सदनों ने इस विधेयक के अंतिम संस्करण सहमति व्यक्त की थी।

यह कानून 'शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र से सीधे वस्तुओं, माल, सामग्री के आयात और व्यापार को प्रतिबंधित करता है, जो उइगर, कज़ाख्स, किर्गिज़, तिब्बतियों, या चीन में अन्य सताए गए समूहों के सदस्यों द्वारा बनाये गए हैं।इसके अतिरिक्त इस विधेयक में अमेरिकी राष्ट्रपति से मुस्लिम अल्पसंख्यकों को सताने और अनैच्छिक श्रम के उपयोग की सुविधा के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने की गुजारिश की गयी है।

अमेरिकी नागरिकों से धोखाधड़ी के मामले में 2 भारतीयों को जेल

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने दो भारतीयों को अमेरिकी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में 27 माह कैद की सजा सुनाई है। उन्हें अमेरिकी नागरिकों से 'वायर' धोखाधड़ी के जरिए 6,00,000 डॉलर से अधिक रकम लेने का दोषी ठहराया गया है। न्यू जर्सी की एक संघीय अदालत के जिला न्यायाधीश जोसेफ रोड्रिगेज़ ने जीशान खान (22) और माज़ अहमद शम्सी (24) को मंगलवार को 27 माह की सजा सुनाई। दोनों को पहले ही 'वायर' धोखाधड़ी के मामले में दोषी ठहराया गया था। उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया था।

कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी रेचेल ए होनिग ने कहा कि शम्सी और खान पर देश भर में 19 लोगों से धोखाधड़ी से 'वायर ट्रांसफर' के जरिए 618,000 अमेरिकी डॉलर प्राप्त करने के आरोप तय किए गए थे। 'वायर ट्रांसफर', बैंक ट्रांसफर या क्रेडिट ट्रांसफर, एक व्यक्ति या संस्था से दूसरे व्यक्ति को 'इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर' करने का एक तरीका है। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, भारत में स्थित कुछ कॉल सेंटर का उपयोग कर पीड़ितों को रोबोकॉल की गई। फोन करने वाले स्वयं को सामाजिक सुरक्षा प्रशासन, एफबीआई या औषधि प्रवर्तन प्रशासन की एजेंसियों के अधिकारी बताते थे और पीड़ित को अपनी बात न मानने पर कानूनी या वित्तीय मुकदमों में फंसाने की धमकी देते थे। कभी वे पीड़ित को अन्य प्रौद्योगिकी कंपनी के 'अधिकारी' से बात करने के लिए कहते और वह 'अधिकारी' पीड़ित के 'पर्सनल कंप्यूटर'तक पहुंच हासिल कर उसके बैंक खाते का ब्यौरा ले लेता था।

पाकिस्तान ने पंजाब प्रांत स्थित हिंदू मंदिर आने के लिए 112 भारतीयों को वीजा जारी किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने पंजाब के चकवाल जिले के एक प्रमुख हिंदू मंदिर परिसर में आने के लिए 112 भारतीय तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किया।नयी दिल्ली में पाकिस्तान के उच्चायोग ने ट्वीट किया, ''ये तीर्थयात्री 17-23 दिसंबर तक श्री कटास राज मंदिर की यात्रा करेंगे, जिसे किला कटास या कटास मंदिर परिसर के रूप में भी जाना जाता है।''इसने कहा, ''भारत में पाकिस्तान के उच्चायोग ने भारतीय हिंदू तीर्थयात्रियों को पंजाब, पाकिस्तान में एक प्रमुख हिंदू मंदिर की यात्रा के लिए आज 112 वीजा जारी किए।'' कटास राज मंदिर परिसर एक तालाब के चारों ओर बना है, जिसे हिंदुओं द्वारा पवित्र माना जाता है।

सूखे के कारण मौत:पानी न मिलने से 6 जिराफों ने दम तोड़ा, केन्या से सामने आई दिल दहलाने वाली तस्वीर

नैरोबी। अफ्रीकी देश केन्या भयानक सूखे का सामना कर रहा है। सूखे का असर यहां के जंगली जानवरों पर भी पड़ रहा है। भोजन और पानी न मिलने की वजह से यहां के वजीर इलाके में स्थित साबुली वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में 6 जिराफों की मौत हो गई। इनके मौत के बाद की तस्वीरें दुनिया भर में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। दिल दहला देने वाली इन तस्वीरों में दिख रहा है कि भोजन और पानी के अभाव में इनका शरीर जर्जर हो गया था। बताया जा रहा है कि ये जिराफ पानी की तलाश में लगभग सूख चुके एक जलाशय के पास आए थे, जहां कीचड़ में वे फंस गए। जिराफ इतने कमजोर हो गए थे कि उससे बाहर नहीं निकल सके और वहीं पर तड़प-तड़प कर उन्होंने दम तोड़ दिया।

तस्वीरों ने दुनिया को सोचने के लिए मजबूर किया

जिराफों के शवों को दूसरी जगह ले जाया गया, जहां ये तस्वीरें यह ली गईं। जलाशय के बचे पानी को दूषित होने से बचाने के लिए शवों को वहां से हटाया गया। इन तस्वीरों ने दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। साथ ही यह सोचने पर मजबूर किया कि है कि पर्यावरण की अनदेखी कितनी भारी पड़ सकती है।

30फीसदी से भी कम बारिश से केन्या में हालात बिगड़े-केन्या के उत्तरी इलाके में सितंबर के बाद सामान्य से 30फीसदी से भी कम बारिश हुई है, जिससे यहां भयंकर सूखा पड़ा है। बारिश की कमी ने जंगली जानवरों पर विनाशकारी असर डाला है। पशु पालने वाले समुदायों का जीवन भी काफी प्रभावित हुआ है। पशुओं के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था करने में मुश्किल पेश आ रही है।

बोर-अल्गी जिराफ सेंचुरी में काम करने वाले इब्राहिम अली ने बताया कि जंगली जानवरों को सबसे ज्यादा खतरा है।

पालतू जानवरों की तो मदद की जा रही है, लेकिन वन्यजीवों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। उन्होंने बताया कि नदी के किनारे खेती करने से रोक दिया गया है। नदी तक जिराफों की पहुंच भी मुश्किल हो गई है। हालात बहुत खराब हैं।

हैती में तेल टैंकर पलटने के बाद विस्फोट में 75 लोगों की मौत

हैती । हैती में एक तेल टैंकर के पलटने के बाद उसमें विस्फोट होने से कम से कम 75 लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केप-हैतियन में आधी रात के बाद विस्फोट हुआ था, जिसके कई घंटे बाद भी उसकी चपेट में आई इमारतें और वाहन अब भी जल रहे हैं। अग्निशामकों ने आग में जले हुए शवों को सफेद चादर से ढक दिया और उन्हें एक ट्रक में लाद दिया। केप-हैतियन के डिप्टी मेयर पैट्रिक अल्मोनर ने कहा, ''जो हुआ वह भयावह है।' उन्होंने बताया कि हुए हादसे में 75 लोग मारे गए हैं। हैती के इस दूसरे सबसे बड़े शहर में अस्पताल पूरी तरह भरे हैं, जबकि झुलसे 15 लोगों को हवाई मार्ग से राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस ले जाया गया है। प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने ट्वीट किया था, ''इस हादसे में मारे गए लोगों की याद में पूरे क्षेत्र में तीन दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया जाएगा। हादसे से पूरा राष्ट्र दुखी है।' तेल टैंकर में विस्फोट ऐसे समय हुआ है, जब हैती ईंधन की भारी कमी और इसके दामों में लगातार जारी वृद्धि जैसी समस्या से जूझ रहा है।

अलीबाबा से निकाली गई पूर्व कर्मी की चेतावनी, सार्वजनिक मंच पर आगे आने से पीड़ितों को होगा 'नुकसान'

बीजिंग। यौन उत्पीड़न का आरोप सार्वजनिक होने के बाद चीनी ई-कॉमर्स कंपनी से निकाली गई महिला कर्मी ने चेतावनी देते हुए कहा कि वह चीन में अन्य पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित नहीं कर रही हैं क्योंकि '' इससे उन्हें केवल और चोट पहुंचेगी।' झोउ उपनाम की महिला कर्मचारी ने इस साल अगस्त में सार्वजनिक रूप से अपने सहकर्मी पर कारोबारी यात्रा के दौरान यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। इसके बाद चीन में यौन उत्पीड़न के मामले से निपटने के तरीके को लेकर जनता में आक्रोश देखने को मिला था। चीनी अखबार दाहे डेली में प्रकाशित साक्षात्कार में झोउ ने कहा कि उन्हें कई महिलाओं के संदेश आए जिन्होंने कहा कि वे भी काम के दौरान शराब पिलाने और यौन हमले का शिकार हुईं। इनमें से अधिकतर सामने नहीं आई और इसके बजाय इन घटनाओं को सहा या इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा,'' मैं इन लोगों के लिए दुखी हूं। लेकिन मैं समझ सकती हूं कि उन्होंने यह रास्ता क्यों चुना। मैं यौन हमले की शिकार पीड़ितों से अपील नहीं करूंगी कि वे सामने आएं और अपनी कहानी साझा करें क्योंकि ऐसा करने से उन्हें और नुकसान होगा।'

नेपाल के पीएम की पॉलिटिकल पावर और बढ़ी:शेर बहादुर देउबा ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव दूसरी बार जीता

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव जीत लिया है। देउबा को 4,623 में से 2,733 वोट मिले। इलेक्टोरल बॉडी ने अभी तक नतीजों की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन PM देउबा को पार्टी अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया है।

देउबा ने डॉ. शेखर कोइराला को हराया, जबकि बाकी उम्मीदवारों ने चुनाव के दूसरे चरण में हार मान ली थी। 14वें आम सम्मेलन के तहत सोमवार को हुए चुनाव में प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, डॉ शेखर कोइराला, प्रकाश मान सिंह, बिमलेंद्र निधि और कल्याण गुरुंग उम्मीदवार थे।

पहले दौर में किसी को 50त्न से ज्यादा वोट नहीं मिले

पहले दौर में देउबा को 2258 वोट मिले थे। इसी तरह डॉ कोइराला को 1702 वोट, निधि को 249 वोट, सिंह को 371 वोट और गुरुंग को 22 वोट मिले। पहले दौर के मतदान में किसी को 50त्न से ज्यादा वोट नहीं मिले। इसके बाद दूसरे दौर का मतदान दोपहर साढ़े तीन बजे से शुरू हुआ। दूसरे दौर के लिए मतदान जारी है, क्योंकि किसी भी उम्मीदवार को 50 फीसदी वोट नहीं मिले।

भारत समर्थक माने जाते हैं देउबा

नेपाल में 4 बार प्रधानमंत्री रह चुके देउबा को भारत समर्थक माना जाता है। 2017 में प्रधानमंत्री बनने के बाद वे दिल्ली आकर पीएम नरेंद्र मोदी से मिले थे। देउबा भारत के साथ आर्थिक रिश्तों से लेकर मधेशियों के मामले में नरम रवैया दिखाते रहे हैं।

नेपाल में पिछले साल दिसंबर से सियासी संकट

नेपाल में पिछले साल दिसंबर से सियासी संकट बना हुआ है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी में कलह की वजह से सरकार नहीं चल पाई थी। प्रधानमंत्री ओली की सलाह पर राष्ट्रपति ने 20 दिसंबर को संसद भंग करके 30 अप्रैल और 10 मई को चुनाव कराने का ऐलान किया था, लेकिन फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने संसद को बहाल कर दिया था। इसी साल जुलाई में शेर बहादुर देउबा 5वीं बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने।

नेपाल के PM शेर बहादुर देउबा ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव जीत लिया है। **हम नेपाल में राजशाही से लेकर लोकतंत्र तक के बारे में बता रहे हैं।**

- 1768 में राजा पृथ्वी नारायण शाह ने नेपाल एकता की मुहिम शुरू की। यहीं से आधुनिक नेपाल का जन्म हुआ।
- 1815 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के पांचवें राजा बिक्रम शाह के बीच लड़ाई हुई। अंत सुगौली की संधि पर हुआ।
- 1846 में जंग बहादुर राणा ताकतवर सैन्य कमांडर बना। भारत में 1857 की क्रांति के समय राणा ने अंग्रेजों का साथ दिया।
- 1923 में ब्रिटेन ने सुगौली संधि को मैत्री संधि नाम दिया। अंग्रेजों ने नेपाल की जमीन का एक बड़ा हिस्सा लौटा दिया।
- किंग ने बीपी कोइराला को नेपाल का पहला PM (1959) बनाया। पहले निर्वाचित PM कृष्ण प्रसाद भट्टराई (1990) थे।
- 1999 में कांग्रेस से कृष्ण प्रसाद भट्टराई PM बने। अगले साल उन्हें पद छोड़ना पड़ा। गिरिजा प्रसाद कोइराला चौथी बार PM बने।
- 1 जून 2001 को नेपाल के राजकुमार दीपेंद्र ने राजपरिवार के कई सदस्यों की हत्या कर दी। खुद को भी गोली मार ली।
- नेपाल में 28 मई, 2008 को 240 साल की राजशाही खत्म कर लोकतंत्र स्थापित हुआ। किसी PM ने यहां 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया।

दुनिया के लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है ओमिक्रॉन, डब्ल्यूएचओ ने जताई चिंता

वाशिंगटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने कहा है कि कोविड-19 के नए रूप ओमिक्रॉन से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों और मृतकों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। ब्रिटेन स्वास्थ्य एजेंसी ने को ओमिक्रॉन से पहली मौत की पुष्टि की है। डब्लूएचओ ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि वैश्विक तौर पर इस वैरिएंट से जुड़े मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों और मृतकों की संख्या में वृद्धि हो सकती है।डब्ल्यूएचओ ने कहा कि कई देशों में लगातार सभी मामलों और मौत के आंकड़ों का विश्लेषण करने की क्षमता नहीं है, जिससे किसी विशेष रूप से मौतों की सटीक जानकारी प्राप्त करना काफी मुश्किल है। कोविड-19 का नया रूप ओमिक्रॉन कितना खतरनाक है, इसका पता मामलों में बढ़ोतरी और उससे हुई मौत के आंकड़ों में देरी के कारण आगामी कुछ हफ्तों में ही जानकारी मिल पाएगी।

ब्रिटेन में बूस्टर डोज संकट:क्रिसमस से पहले तीसरा डोज चाहते हैं ब्रिटिश; एक दिन में 44 लाख ने अप्लाई किया, 12फीसदी ही कामयाब

लंदन। ब्रिटेन में एक दिन में दो लाख से ज्यादा कोरोना केस मिलने के बाद लोगों में वैक्सीन के बूस्टर डोज के लिए होड़ मच गई है। ज्यादातर ब्रिटिश क्रिसमस से पहले तीसरा डोज चाहते हैं। इसे देखते हुए यूनाइटेड किंगडम नेशनल हेल्थ सर्विस की वेबसाइट पर एक दिन में 44 लाख से ज्यादा लोगों ने स्लॉट बुक करने की कोशिश की, लेकिन सिर्फ 5 लाख 45 हजार को ही स्लॉट मिल पाया।

ब्रिटेन में इतनी बड़ी तादाद में लोग बूस्टर डोज के लिए अप्लाई कर रहे हैं कि बूस्टर डोज का संकट खड़ा हो गया है। हेल्थ सेंटर्स के बाहर सुबह से लंबी कतारें देखी गईं, लोग अपनी बारी का इंतजार करते देखे गए। वहीं, NHS प्रमुख ने बूस्टर डोज को लेकर कहा- एक हफ्ते में 50 लाख बूस्टर शॉट तक पहुंचना संभव है, लेकिन कोई वादा नहीं किया जा सकता।

दो से तीन दिन में दोगने हो रहे ओमिक्रॉन केस

ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को लेकर ब्रिटेन के हेल्थ सेक्रेटरी ने बताया कि बूस्टर शॉट रजिस्ट्रेशन के लिए इतने ज्यादा लोग लॉगइन थे कि वेबसाइट ही क्रैश हो गई। हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक, दो से तीन दिन में ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले दोगुने हो रहे हैं।

मंगलवार को ब्रिटिश उप प्रधान मंत्री डॉमिनिक रॉब ने बताया कि ओमिक्रॉन संक्रमित कम से कम 250 लोग अस्पताल में हैं। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एक दिसंबर को ओमिक्रॉन का पहला केस मिलने के बाद 13 दिसंबर तक यह आंकड़ा 4250 को पार कर गया है।

हर दिन 10 लाख बूस्टर शॉट लगाने का टारगेट

ओमिक्रान के बढ़ते खतरे के बीच प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रविवार को देश को संबोधित किया। ओमिक्रॉन से पहली मौत की पुष्टि की। जिसके बाद 10 लाख से ज्यादा लोगों ने बूस्टर शॉट लिया या तीसरा डोज बुक किया। ब्रिटिश सरकार कोरोना पर काबू पाने के लिए हर दिन 10 लाख बूस्टर शॉट लगाने का टारगेट लेकर चल रही है, लेकिन अभी तक 6 लाख का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है। जॉनसन ने 31 दिसंबर से पहले सभी युवाओं को बूस्टर शॉट देने की बात कही थी। फिलहाल, 30 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को ही बूस्टर शॉट दिया जा रहा है।

डेल्टा को पछाड़ देगा ओमिक्रॉन-जॉनसन के मुताबिक- ओमिक्रॉन जिस तेजी से फैल रहा है, वह जल्द ही डेल्टा वैरिएंट को पछाड़ देगा। लंदन और दूसरे हिस्सों में केस बढ़ रहे हैं। नवंबर में इस नए वैरिएंट की पहचान की गई थी। अब यह करीब 50 देशों में पाया जा चुका है। भारत में भी इस वैरिएंट के 61 मामले सामने आ चुके हैं।

चीन पर मिलेगी बढ़त: रूस के डिप्टी पीएम बोले- एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम एस-500 पाने वाला पहला देश बन सकता है भारत, बातचीत जारी

मास्को। एस-500 एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम जल्द ही भारत को मिल सकता है। यह दावा रूस के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर यूरी बोरिसोव ने किया है। इसे दावे को बहुत गंभीरता से इसलिए जा रहा है, क्योंकि वर्ल्ड मीडिया में कुछ महीने से यह खबर लगातार आ रही थी कि भारत और रूस के बीच सीक्रेट तौर पर एस-500 डील पर बातचीत चल रही है। यह चर्चा तब और तेज हो गई जब इसी महीने की शुरुआत में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने भारत का दौरा किया। बहरहाल, अगर भारत एस-500 खरीदता है तो उसे चीन पर बढ़त हासिल हो जाएगी, क्योंकि चीन के पास एस-400 है और इसे भारत भी खरीद रहा है।

पहले रूस के डिप्टी पीएम की बात- मीडिया से बातचीत में बोरिसोव ने कहा- मुझे लगता है कि भारत एस-500 का दुनिया में पहला खरीदार बन सकता है। इस बारे में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए। पहले हम अपने सेना को इस सिस्टम से लैस करना चाहते हैं। इसके बाद भारत ही हमारी पहली प्राथमिकता है। इस तरह का एंटी एयरक्राफ्ट और मिसाइल सिस्टम दुनिया में किसी और देश के पास नहीं है और यह कम्पलीट मिसाइल शील्ड है। फिलहाल, इसकी सप्लाई हमारी सेना को की जा रही है।

एस-500 का प्रोडक्शन 2019 में शुरू हुआ था। फिलहाल, इसकी डिलीवरी सिर्फ रूस की फौज को की जा रही है। भारत इसका पहला खरीदार बन सकता है।

एस-500 का प्रोडक्शन 2019 में शुरू हुआ था। फिलहाल, इसकी डिलीवरी सिर्फ रूस की फौज को की जा रही है। भारत इसका पहला खरीदार बन सकता है।

प्रोडक्शन से पहले ऑर्डर

2019 में एस-500 का फाइनल टेस्ट किया गया था। इसके बाद रूसी फौज के लिए इसका प्रोडक्शन शुरू हुआ।

भारत ''कठिन पड़ोसियों'' के बीच स्थित है : भारत के लिए अमेरिका के नामित राजदूत ने कहा

वाशिंगटन। भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा नामित लॉस एंजिलिस के मेयर एरिक माइकल गार्सेटी ने कहा है कि भारत ''कठिन पड़ोसियों'' के बीच स्थित है और वह ''अपनी सीमाओं एवं संप्रभुता की रक्षा करने तथा हमलों को रोकने की'' भारत की क्षमता को मजबूत करने के अमेरिकी प्रयासों को और आगे बढ़ाएंगे भारत के लिए अमेरिका के राजदूत पद पर अपने नाम की पुष्टि संबंधी सुनवाई के दौरान गार्सेटी ने सांसदों से कहा, ''भारत कठिन पड़ोसियों के बीच स्थित है।

यदि मेरे नाम की पुष्टि हो जाती है तो मैं इसकी सीमाओं एवं संप्रभुता की रक्षा करने और हमलों को रोकने की भारत की क्षमता को मजबूत करने के अमेरिकी प्रयासों को और आगे बढ़ाऊंगा।'' गार्सेटी ने कहा कि वह ''सूचना साझा करके, आतंकवाद विरोधी समन्वय, नौवहन गश्त की संयुक्त स्वतंत्रता और सैन्य अभ्यास (जिसमें मैंने अपने भारतीय समकक्षों के साथ एक नौसेना अधिकारी के रूप में भाग लिया है) और हमारी सर्वोत्तम रक्षा प्रौद्योगिकियों की बिक्री'' के माध्यम से ये प्रयास करेंगे ताकि ''हमारी बड़ी रक्षा साझेदारी को उसकी पूरी क्षमता तक आगे बढ़ाया जा सके।''उन्होंने कहा कि अगर उनके नाम की पुष्टि हो जाती है, तो वह अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) और एजेंडा 2030 जलवायु एवं स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के माध्यम से हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साहसिक दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करेंगे।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू धर्म में वापसी का किया आहवान

अहंकार से एकता टूटती है हम लोगों को जोड़ने के लिए काम करेंगे

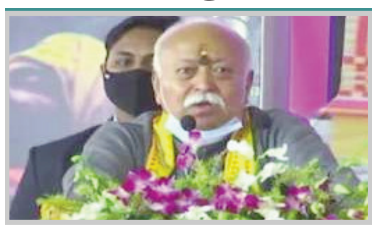

चित्रकूट (एजेंसी) ।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघ चालक मोहन भागवत ने बुधवार को यहां हिंदू धर्म छोड़ने वालों की घर वापसी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भय ज्यादा दिन तक बांध नहीं सकता है। अहंकार से एकता टूटती है। हम लोगों को जोड़ने के लिए काम करेंगे। चित्रकूट में चल रहे तीन दिवसीय हिंदू एकता महाकुंभ में पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू एकता महाकुंभ में आए लोगों के साथ संकल्प लेते हुए कहा कि, मैं हिंदू संस्कृति के धर्मयोद्धा मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की संकल्प स्थली पर सर्वशक्तिमान परमेश्वर को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि मैं अपने पवित्र हिंदू धर्म, हिन्दू संस्कृति और हिन्दू समाज के संरक्षण संवर्धन और सुरक्षा के लिए आजीवन कार्य करूंगा। मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि किसी भी हिंदू भाई को हिंदू धर्म से विमुख नहीं होने दूंगा। जो भाई धर्म छोड़ कर चले गए हैं, उनकी भी घर वापसी के लिए कार्य करूंगा। उन्हें परिवार का हिस्सा बनाऊंगा। मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि हिंदू बहनों की अस्मिता, सम्मान और शील की रक्षा के लिए सर्वस्व अर्पण करूंगा। जाति, वर्ग, भाषा, पंथ के भेद से ऊपर उठ कर हिंदू समाज को समरस सशक्त अभेद्य बनाने के लिए पूरी शक्ति से कार्य करूंगा।

इससे पूर्व महाकुंभ के दूसरे दिन संघ प्रमुख मोहन भागवत और तुलसीपीठाधीश्वर श्री रामभद्राचार्य को 75 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया गया। मोहन भागवत और रामभद्राचार्य ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। करीब 20 मिनट तक मोहन भागवत ने हिंदू एकता महाकुंभ में आए लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम को श्री श्री रविशंकर ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जुटते हैं तो भय पैदा होता है। जबकि जहां संत और हिन्दू इक्ट्ठा होते हैं, वहां अभय मिलता है। उन्होंने कहा कि देश भक्ति और ईश्वर भक्ति एक ही है। जो देशभक्त नहीं है वो ईश्वर भक्त भी नहीं हो सकता। श्री श्री रविशंकर ने हिंदू महाकुंभ के 12 मुद्दों का समर्थन किया। जिसमें राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक श्रीराम मंदिर, देव स्थानों की परंपरा नष्ट कर रहा सरकारी नियंत्रण, धर्मांतरण की अंतर्राष्ट्रीय साजिश, देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून जरूरी, सामान नागरिकता का मिले अधिकार, लव जेहाद से युवा पीढ़ी में भटकाव, भारतीय दर्शन आधारित शिक्षा जरूरी, धर्म में व्यसन का त्याग हो अनिवार्य, गौ रक्षा के ठोस प्रयास, मातृ शक्ति को सशक्त बनाना जरूरी, हिंदू धर्म के बारे में दुष्प्रचार बंद हो और पर्यावरण प्रदूषण पर रोक लगे

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की याचिका खारिज की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की उस याचिका को खारिज किया हैं, जिसमें केंद्र और अन्य अधिकारियों को राज्य को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के एसईसीसी 2011 के कच्चे जातिगत आंकड़े उपलब्ध कराने का निर्देश देने का आग्रह किया गया था।बुधवार को न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर और न्यायमूर्ति सी.टी. रविकुमार की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार के हलफनामे में कहा गया है कि एसईसीसी 2011 के आंकड़े सटीक नहीं हैं। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि एसईसीसी 2011 के आंकड़े 'बिल्कुल विश्वसनीय नहीं हैं, क्योंकि इसमें कई खामियां मिली हैं।वहीं महाराष्ट्र की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर नफड़े ने कहा कि केंद्र सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दावा नहीं कर सकता कि आंकड़े त्रुटियों से भरे है क्योंकि सरकार ने एक संसदीय समिति को बताया था कि आंकड़े 98.87 प्रतिशत त्रुटि रहित है।पीठ ने याचिका खारिज कर कहा कि राज्य कानून के तहत उपलब्ध अन्य उपायों को अपनाने के लिए स्वतंत्र है। सरकार ने कहा था कि वह ओबीसी के लिए आरक्षण का 'पूरी तरह से समर्थन' करती है, लेकिन इसकी कवायद संविधान पीठ के फैसले के अनुरूप होनी चाहिए,जिसमें राज्य के भीतर स्थानीय निकायों के संबंध में पिछड़ेपन की प्रकृति और जटिलताओं की समसामयिक कठोर अनुभवजन्य जांच करने के लिए एक समर्पित आयोग की स्थापना सहित तीन शर्तों की बात कही गई थी। मेहता ने कहा था कि न केवल आरक्षण के लिए बल्कि रोजगार, शिक्षा और अन्य के लिए भी एसईसीसी 2011 पर कोई भरोसा नहीं कर सकते है।केंद्र द्वारा साल 2021 सितंबर में दायर हलफनामे का हवाला देकर मेहता ने पीठ से कहा था कि मैंने इसे आपके समक्ष बहुत स्पष्ट रूप से रखा है। केंद्र ने कहा था कि एसईसीसी 2011 सर्वेक्षण 'ओबीसी सर्वेक्षण' पर नहीं था जैसा कि आरोप लगाया गया था, बल्कि उनके बयान के अनुसार देश के सभी परिवारों की जाति की स्थिति को गिनने के लिए एक व्यापक कवायद थी। इस साल मार्च में, शीर्ष अदालत की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि महाराष्ट्र में संबंधित स्थानीय निकायों में ओबीसी के पक्ष में आरक्षण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षित कुल सीट के कुल 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता है।

मंत्रिमंडल ने भारत और पोलैंड के बीच आपराधिक मामले में कानूनी सहायता संबंधी संधि को मंजूरी दी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को भारत और पोलैंड के बीच आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता से संबंधित संधि को मंजूरी दी।सरकारी बयान के अनुसार,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसका उद्देश्य परस्पर कानूनी सहायता के माध्यम से आतंकवाद से संबंधित अपराधों सहित अन्य अपराधों की जांच और अभियोजन में दोनों देशों की क्षमता और प्रभावशीलता में वृद्धि करना है। इसमें कहा गया है कि संधि का उद्देश्य आपराधिक मामलों में सहयोग और आपसी कानूनी सहायता के माध्यम से अपराध की जांच और अभियोजन में दोनों देशों की प्रभावशीलता को बढ़ाना है। बयान के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय अपराध और आतंकवाद के साथ इसके संबंधों के संदर्भ में, प्रस्तावित संधि में अपराध की जांच और अभियोजन के साथ-साथ अपराध के बढ़ने, इसके मददगार कारकों तथा आतंकवादी कृत्यों के वित्तपोषण के लिए धनराशि आदि का पता लगाने, रोकने और जब्त करने में पोलैंड के साथ द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक व्यापक कानूनी ढांचा प्रदान करेगी। इस संधि पर हस्ताक्षर और पुष्टि के बाद, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) 1973 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत उपयुक्त राजपत्र अधिसूचना जारी की जाएगी, ताकि भारत में संधि के प्रावधानों को प्रभावी तरीके से लागू किया जा सके।

कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं हरभजन सिंह

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

पंजाब में राजनीतिक उथल पुथल के बीच सोशल मीडिया पर आई एक तस्वीर ने चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। दरअसल पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ तस्वीर शेयर की। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ये तस्वीर संभावनाओं से भरी हुई है।कुछ दिनों पहले हरभजन सिंह ने बीजेपी में शामिल होने की खबरों को 'फेक न्यूज' कहकर ट्वीट के साथ खारिज कर दिया था। सूत्रों के मुताबिक आने वाले दिनों में जालंधर के किसी विधानसभा क्षेत्र से हरभजन सिंह को चुनाव मैदान में कांग्रेस उतारना चाहती है,इसके लिए हरभजन सिंह के साथ बातचीत जारी है, हालांकि अभी फाइनल अप्रूवल नहीं हुआ है।हाल ही में हरभजन को टैग करते हुए सूत्रों के माध्यम से लिखा था, 'पंजाब बीजेपी 2022 के पंजाब चुनाव से पहले हरभजन सिंह और युवराज सिंह पर नजर गड़ाए हुए है। दोनों जल्द ही बीजेपी में शामिल हो सकते हैं।हालांकि इस रीट्वीट करते हुए हरभजन ने फेक करार दिया था।

सवाल पूछने से भड़के केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा, पत्रकारों के साथ की अभद्रता, कहे अपशब्द

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी बुधवार को पत्रकारों द्वारा लखीमपुर हिंसा को लेकर पूछे गए सवाल पर आपा खो बैठे। लखीमपुर कांड में उनके बेटे आशीष मिश्रा को लेकर सवाल पूछा गया तो वह पत्रकारों पर ही भड़क गए और उन्हें अपशब्द तक कहे। मौके पर मौजूद एक टीवी पत्रकार के हाथों से उन्होंने माइक झपट लिया और फोन बंद करने के लिए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में एक बेकसूर व्यक्ति को फंसाया गया है। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। दरअसल एक टीवी चैनल के पत्रकार ने मंत्री अजय मिश्रा टेनी से उनके बेटे पर बढ़ाई गई धाराओं को लेकर सवाल पूछा था। इस पर वह भड़क गए और माइक झपट लिया। यही नहीं गालियां देते हुए फोन बंद करने के लिए कहा। मंत्री की पत्रकारों से तीखी बहस हुई। उन्होंने पूछा कि आखिर हमसे क्या जानना चाहते हो? एसआईटी ने धाराएं बढ़ाईं तो उनसे पूछो जाकर...चार्जशीट लग गई क्या? इसके बाद वह एक पत्रकार को मारने के लिए भी दौड़ते हैं। मंत्री का यह करतूत अब सोशल मीडिया पर छायी हुई है। विदित हो कि मंगलवार को ही लखीमपुर खीरी कांड की एसआईटी रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें पूरी घटना कोई हादसा नहीं बल्कि साजिश बताया गया है। इसके साथ ही आशीश मिश्रा और अन्य लोगों पर कुछ और गंभीर धाराएं लगाई गई हैं।

जम्मू कश्मीर में तीन सालों में हर साल 37 से 40 नागरिकों की हुयीं हैं हत्याएं

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने बुधवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में 2017 से 30 नवंबर 2021 के दौरान आम नागरिकों की हत्याओं की संख्या हर साल 37 से 40 के बीच में रही है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''पिछले वर्षों-2017 से 2021 (30 नवंबर) के दौरान आम नागरिकों की हत्याओं की संख्या प्रति वर्ष 37 से 40 के बीच में रही है।'' उन्होंने कहा कि आतंकवादियों द्वारा कुछ आम नागरिकों को निशाना बनाने की कोशिशों के बावजूद, बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर कश्मीर घाटी में लगातार रुके हुए थे और कड़ाके की सर्दी शुरू होने पर पहले की भांति वहां से चले गए थे। साथ ही, पिछले कुछ महीनों के दौरान जम्मू और कश्मीर में बड़ी संख्या में पर्यटक आए हैं। उन्होंने कहा, ''तथापि, सरकार ने जम्मू और कश्मीर में बाहर के आम नागरिकों समेत आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। एक सशक्त सुरक्षा और आसूचना ग्रिड मौजूद है।

क्षेत्र में दिन-रात नियंत्रण और गश्त तथा आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं।'' राय ने कहा कि इसके अलावा, जम्मू और कश्मीर में किसी भी आतंकवादी हमले को नाकाम करने के लिए नाकों पर 24 घंटे जांच की जाती है।

किराना दुकानों को डिजिटल दुकानों में बदलना वक्त की मांग : आकाश और ईशा अंबानी

मुंबई (एजेंसी)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की इकाई रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स के निदेशक आकाश और ईशा अंबानी ने कहा कि छोटे कारोबारी देश की रीढ़ है,वहीं किराना दुकानों को डिजिटल दुकानों में बदलना वक्त की जरूरत है। मेटा (पूर्व में फेसबुक) के कार्यक्रम में भाग लेकर जाने-माने उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी के पुत्र आकाश और पुत्री ईशा ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि किराने का सामान, सब्जियां और दैनिक आवश्यक सामान ऑर्डर करना अब सिर्फ व्हॉट्सएप पर संदेश करने जैसा आसान होगा। उल्लेखनीय है कि अंबानी के जियो मार्ट ने ऑनलाइन व्यापार को बढ़ाने के लिए लोकप्रिय मैसेजिंग एप व्हॉट्सएप के साथ गठजोड़ किया है। ईशा ने कहा, महामारी ने कारोबार करने के तरीकों को बदल दिया है। अब वक्त आ गया है कि मोहल्ले की किराना दुकानों को डिजिटल दुकानों में बदला जाए।''

इस मौके पर मुकेश के पुत्र आकाश ने रिलायंस से जुड़े खुदरा विक्रेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि खुदरा क्षेत्र में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की दुकानों के लिए स्थान है।वहीं एक सवाल के जबाव में ईशा ने कहा, हमारे पिता मुकेश अंबानी की सोच है कि लाखों छोटे खुदरा विक्रेताओं को जियो और जियोमार्ट के माध्यम से डिजिटल रूप से सक्षम बनाया जाए। हम उनकी इस सोच को साकार करने के एक कदम ओर करीब आ गए हैं...।'' जियोमार्ट और व्हॉट्सएप की भागीदारी पर टिप्पणी कर आकाश ने कहा व्हॉट्सएप के माध्यम से जियोमार्ट पर डिजिटल खरीदारी अब एक संदेश भेजने जैसा है। यह वास्तव में उपभोक्ताओं के लिए डिजिटल खरीदारी में एक क्रांति है।

उल्लेखनीय है कि मेटा ने पिछले साल अप्रैल में रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिये 5.7 अरब डॉलर निवेश किया था। इस भागीदारी का उद्देश्य 40 करोड़ से अधिक व्हॉट्सएप उपयोगकर्ताओं और रिलायंस के नेटवर्क पर पांच लाख खुदरा विक्रेताओं को जोड़ना था। इसमें महत्वपूर्ण सस्ता इंटरनेट है, जो रिलायंस जियो के 42.5 करोड़ ग्राहकों को मिलता है। रिलायंस रिटेल के खुदरा दुकानों के बड़े नेटवर्क का उपयोग करके ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। साथ ही रिलायंस जियो के प्रीपेड ग्राहक व्हॉट्सएप का इस्तेमाल करके मोबाइल फोन रिचार्ज कर सकते हैं। आकाश ने कहा,जियो और मेटा की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। इसके साथ हम एक साथ काम करने के ज्यादा से ज्यादा रास्ते खोल रहे हैं।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग

बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग पर अड़े नीतीश, कहा ठीक से नहीं समझने वाले कर रहे विरोध

पटना (एजेंसी)।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग सीएम नीतीश कुमार लंबे समय से करते रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से वह इसे लेकर शांत थे। अब एक बार फिर से उन्होंने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा है कि यह बिहार की जरूरत है।

जबकि, राज्य की डिप्टी सीएम रेनू देवी ने कहा था कि विशेष राज्य का दर्जा मांगने का कोई अर्थ नहीं है और इस दावे को लेकर कोई विस्तृत जानकारी भी नहीं है। उनके इस बयान पर नीतीश कुमार ने बिना नाम लिए ही निशाना साधा है। नीतीश कुमार ने कहा राज्य में कोई स्पेशल स्टेट्स की डिमांड का विरोध करता है तो संभव है कि उसे मुद्दे की जानकारी ही नहीं हो। यदि केंद्र सरकार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देती है, तो फिर केंद्रीय योजनाओं की फंडिंग में उसकी हिस्सेदारी 90 फीसदी होगी, जबकि राज्य सरकार को 10 फीसदी खर्च ही उठाना होगा। पहाड़ी राज्यों और पूर्वोत्तर के राज्यों को यह दर्जा प्राप्त है, लेकिन अन्य किसी मैदानी राज्य को ऐसा स्टेटस नहीं मिला है। गैर विशेष राज्यों में चलने वाली केंद्रीय स्कीमों की फंडिंग में केंद्र और राज्य सरकार के खर्च का अनुपात 60~40 या फिर 80~20 रहता है। संविधान में किसी भी राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने का प्रावधान नहीं है, लेकिन दुर्गम पहाड़ी राज्यों, ऐतिहासिक कारणों, अधिक आदिवासी आबादी अथवा कम जनसंख्या, रणनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण, आर्थिक और ढांचागत पिछड़ापन जैसे कारणों के आधार पर यह स्टेटस दिया जाता रहा है। फिलहाल पूर्वोत्तर के 8 राज्यों के अलावा उत्तर भारत में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को ही यह दर्जा प्राप्त है। ये सभी राज्य सीमांत इलाके हैं और पहाड़ी हैं। 1969 में योजना आयोग की सिफारिश पर इन राज्यों को यह दर्जा मिला था। अब इसकी जगह नीति आयोग ने ले ली है। बिहार, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्य पिछड़ेपन के आधार पर विशेष राज्य के दर्जे की मांग करते रहे हैं। आंध्र प्रदेश के पुनर्गठन के दौरान कांग्रेस सरकार ने उसे विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की बात कही थी।

इसके चलते वह भी अकसर ऐसी मांग करता रहा है, लेकिन मोदी सरकार में इस पर कोई विचार नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

इस साल अप्रैल से जून के बीच देश में घरेलू हिंसा के 3,582 मामले दर्ज किए गए

-मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी जानकारी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को बताया कि इस साल अप्रैल से जून के बीच देश भर में घरेलू हिंसा के 3,582 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2020 में इसी अवधि में दर्ज घरेलू हिंसा के मामलों की संख्या 3,748 थी। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अप्रैल से जून के बीच कोविड महामारी की दूसरी लहर चरम पर थी और उस दौरान घरेलू हिंसा के 3,582 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि साल 2020 में अप्रैल से जून के दौरान कोरोना वायरस का संक्रमण देश में फैल रहा था और उस दौरान घरेलू हिंसा के 3,748 मामले दर्ज किए गए थे। स्मृति ने दावा किया कि ''राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण'' (एनएएलएसए) से मिले ये आंकड़े बताते हैं कि देश में घरेलू हिंसा के मामलों में कमी आई है।

आर्यन को राहत, एनसीबी के दफ्तर में हर हफ्ते हाजिरी नहीं होना होगा

मुंबई ।अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन को क्रूज ड्रग्स केस में थोड़ी राहत मिली है।हाल ही में आर्यन ने हाई कोर्ट में मुंबई क्रूज ड्रग्स केस में अर्जी पेश की थी,इसमें एनसीबी के दफ्तर में हर हफ्ते हाजिरी देने से छूट की अपील की गई थी। आर्यन की याचिका को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर उन्हें एनसीबी में हर हफ्ते हाजिरी लगाने से छूट दे दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि आर्यन खान को लेकर हाईकोर्ट के आदेश की जानकारी दी है। ड्रग्स क्रूज़ केस में बॉम्बे हाई कोर्ट ने आर्यन को हर सप्ताह एनसीबी के दफ्तर में हाजिरी लगाने से छूट दे दी है। हालांकि, जब भी जरूरत होगी तब उन्हें दिल्ली एसआईटी के सामने हाजिर होने का भी निर्देश दिया है। बता दें कि हाल ही में 10 दिसंबर को एनसीबी के दफ्तर में हाजिरी से छूट की याचिका लेकर आर्यन खान ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया था। याचिका में कहा गया था कि चूंकि जांच अब दिल्ली एनसीबी के विशेष जांच कमिटी को सौंप दी गई है,इसकारण मुंबई ऑफिस में उनके पेश होने की शर्त में ढील दी जा सकती है। आवेदन में कहा गया था कि एनसीबी दफ्तर के बाहर मीडिया कर्मियों की भीड़ लगी रहती है, जिसके कारण उन्हें हर बार पुलिसकर्मियों को साथ लेकर जाना पड़ता है। एनसीबी ने मुंबई तट पर एक क्रूज जहाज पर छापेमारी के दौरान कथित रूप से ड्रग्स जब्त होने के बाद 3 अक्टूबर को आर्यन खान को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में 28 अक्टूबर को हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। हाई कोर्ट ने उनपर 14 शर्तें लगाई थीं, जिनमें से एक यह भी था कि उन्हें हर शुक्रवार एनसीबी के सामने पेश होना भी था। इनमें एजेंसी को बताए बिना मुंबई से बाहर नहीं जाने और विशेष एनडीपीएस अदालत की अनुमति के बगैर देश से बाहर नहीं जाने की शर्त भी शामिल है।

भारत में प्रतिदिन लगभग 38 किमी सड़क का निर्माण हो रहा, इस 40 किलोमीटर प्रति दिन करने की संभावना

नई दिल्ली । मोदी सरकार ने बुधवार को संसद में कहा कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय अभी औसतन हर दिन लगभग 38 किमी सड़क का निर्माण कर रहा है,इस बढ़कर 40 किलोमीटर प्रति दिन होने की संभावना है, जो विश्व रिकार्ड होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय अभी औसतन लगभग 38 किमी प्रति दिन राजमार्ग का निर्माण कर रहा है,इस बढ़कर 40 किलोमीटर प्रति दिन होने की संभावना है, जो विश्व में रिकार्ड होगा। उन्होंने कहा कि आगे चलकर 45 किलोमीटर प्रति दिन करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई थी उस समय 406 सड़क परियोजनाएं लंबित थीं और उनकी लागत 3.85 लाख करोड़ रुपये थी। उन्होंने कहा कि वे परियोजनाएं भूमि अधिग्रहण, वित्तीय सहित विभिन्न समस्याओं के कारण अटकी हुई थीं, लेकिन मोदी सरकार ने उन सभी परियोजनाओं की समीक्षा कर उन्हें फिर से शुरू कराया और इस प्रकार बैंकों को तीन लाख करोड़ रुपये की गैर निष्पादित आस्ति (एनपीए) से बचाया। उन्होंने कहा कि अप्रैल, 2014 में देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 91,287 किलोमीटर थी जो अब बढ़कर 1,40,937 किलोमीटर हो गई है। उन्होंने कहा कि भारत ने सड़कों के निर्माण के मामले में तीन विश्व रिकार्ड बनाए हैं। उन्होंने कहा कि सबसे तेजी से रोड बनाने में भारत विश्व में पहले स्थान पर आ गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत ने 24 घंटे में मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेसवे पर चार लेन के 2.5 किलोमीटर लंबे हिस्से का निर्माण किया जो विश्व रिकॉर्ड है। इसके अलावा सोलापुर से बीजापुर के बीच 26 किमी लंबी सड़क भी जल्दी बनाने में रिकार्ड कायम किया गया।

महाराष्ट्र में ओमिक्रोन पकड़ रहा रफ्तार

मुंबई । कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रोन को लेकर देशभर में एक बार फिर खौफ पैदा हो गया है। रोजाना तौर पर ओमिक्रोन के मामले दर्ज हो रहे हैं। वहीं, महाराष्ट्र में भी ओमिक्रोन के मामलों की कुल संख्या 28 हो गई है। जिसेक बाद अब महाराष्ट्र सरकार में मंत्री असलम शेख ने क्रिसमस और न्यू ईयर को लेकर आदेश जारी कर दिया है। दरअसल, असलम शेख ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि, ओमिक्रोन वेरिएंट जिस तरह से बढ़ रहा है इसे देखते हुए क्रिसमस और न्यू ईयर पर किसी भी बड़े कार्यक्रम को करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि, जो धार्मिक स्थल खुले हैं उनमें दिशानिर्देशों का पालन करने की सख्त हिदायत है। बता दें बीते दन महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के 8 मामले दर्ज हुए हैं। पुणे से 39 वर्ष की एक महिला ओमिक्रोन संक्रमित पाई गई है। वहीं लातूर से 33 साल का एक शख्स ओमिक्रोन से पॉजिटिव पाया गया है। इनका अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इन दोनों मरीजों के 3 करीबी संपर्क को ट्रेस कर लिया गया है। सभी पूरी तरह से वैक्सीनेटिड हैं। महाराष्ट्र में एक दिन में कोरोना के 684 नए मामले मिले हैं, वहीं एक दिन में 24 लोगों ने संक्रमण के चलते जान गंवाई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारत की जीडीपी की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2022-23 में 8.2 प्रतिशत रहेगी

अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी का अनुमान

मुंबई।

भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष 2022-23 में 8.2 प्रतिशत रहेगी। ब्रोकरेज कंपनी ने यह अनुमान लगाया है। ब्रोकरेज कंपनी ने कहा है कि अगले वर्ष भारत में चीजें सामान्य होंगी और वृद्धि रफ्तार पकड़ेगी।कंपनी ने कहा कि भारत ने 2021 में काफी सकारात्मक रुख के साथ प्रवेश किया था और आर्थिक वृद्धि दर में सुधार आ रहा था, लेकिन महामारी की दूसरी लहर से झटका लगा और यह पुनरुद्धार पटरी से उतर गया। इसकी वजह से आपूर्ति संकट पैदा हुआ, जिससे कीमतों पर दबाव बना।लेकिन हमारा मानना है कि 2022 का साल भारत के लिए सामान्य वर्ष रहेगा। उपभोग बढ़ने से वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा।''कंपनी ने कहा कि टीकाकरण की निचली दर तथा कोविड-19 का नया स्वरूप ओमीक्रोन वृद्धि के लिए अनिश्चितता पैदा कर सकते हैं। निचले आधार प्रभाव की वजह से वृद्धि दर 2021-22 के 9.3 प्रतिशत से कम रहेगी। विभिन्न क्षेत्रों की बात की जाए,तब कंपनी का अनुमान है कि कृषि, वानिकी और मत्स्यपालन क्षेत्र की वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष में 3.5 प्रतिशत रहेगी। यह चालू वित्त वर्ष के चार प्रतिशत से कम है। इसी तरह उद्योग क्षेत्र की वृद्धि 10 प्रतिशत से घटकर सात प्रतिशत, सेवा क्षेत्र की नौ प्रतिशत से घटकर 7.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में मुख्य मुद्रास्फीति बढ़कर 5.6 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी। इसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक लंबे ठहराव के बाद 2022-23 में रेपो दर में एक प्रतिशत अंक की वृद्धि कर सकता है।''

डिजिटल भुगतान पर लगे लेनदेन शुल्क को लौटाएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यूपीआई और रूपे डेबिट कार्ड के जरिये डिजिटल लेनदेन पर 1,300 करोड़ रुपये के 'शुल्क को वापस (रिइम्बर्समेंट) करने की मंजूरी दी है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के तहत व्यक्तियों द्वारा कारोबारियों को किए गए डिजिटल भुगतान पर लगे लेनदेन शुल्क को लौटाएगी। वैष्णव ने कहा, आने वाले एक साल में सरकार करीब 1,300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, ताकि अधिक से अधिक लोग डिजिटल भुगतान की ओर बढ़ें।'' उन्होंने बताया कि नवंबर में 7.56 लाख करोड़ रुपये के 423 करोड़ डिजिटल लेनदेन हुए।

मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को पांच वर्ष बढ़ाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) को वर्ष 2021 से पांच वर्ष बढ़ाकर वर्ष 2026 तक करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इस पर कुल लागत 93,068 करोड़ रूपये आने का अनुमान है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इसका निर्णय हुआ। सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को 2021-22 से 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दी है,इससे करीब 22 लाख किसानों को लाभ होगा, जिसमें 2.5 लाख अनुसूचित जाति और 2 लाख अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसान हैं। इस पर कुल लागत 93,068 करोड़ रूपये आने का अनुमान है। इसमें कहा गया है कि त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के तहत शामिल नई परियोजनाओं सहित 60 चल रहीं परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान दिया जाएगा। बयान के अनुसार, हर खेत को पानी खंड के तहत सतही जल स्त्रोतों के माध्यम से जल निकायों के पुनर्जीवन के तहत 4.5 लाख हेक्टेयर सिंचाई तथा उपयुक्त ब्लाकों में भूजल सिंचाई के तहत 1.5 लाख हेक्टेयर की सिंचाई हो सकेगी।

अनुच्छेद-370 खत्म होने के बाद दूसरे राज्यों के लोगों ने कश्मीर में खरीदे सात भूखंड

नई दिल्ली ।

सरकार ने बुधवार को संसद में बताया कि संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू कश्मीर में अब तक इस केंद्र शासित प्रदेश के बाहर के व्यक्तियों ने कुल सात भूखंड खरीदे हैं और ये सभी भूखंड जम्मू डिवीजन में हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उनसे प्रश्न पूछा गया था कि क्या राज्य के बाहर के किसी व्यक्ति ने अब तक जम्मू एवं कश्मीर में जमीन खरीदी है और यदि खरीदी है तो इसका ब्योरा क्या है। इसके जवाब में राय ने कहा जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, जम्मू और कश्मीर से बाहर के व्यक्तियों द्वारा कुल सात भखूंड खरीदे गए हैं। सभी सात भूखंड जम्मू डिवीजन में स्थित हैं। ज्ञात हो कि अगस्त, 2019 में केंद्र सरकार ने जम्मू एवं कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त कर दिया था और राज्य को दो केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया था। जम्मू एवं कश्मीर में जब अनुच्छेद 370 लागू था तब दूसरे राज्यों के लोग वहां जमीन नहीं खरीद सकते थे। सिर्फ राज्य के लोग ही वहां पर जमीन और अचल संपत्ति खरीद सकते थे। केंद्र सरकार ने जब अनुच्छेद 370 समाप्त किया था तब इस कानून को राज्य के विकास में सबसे बड़ी रुकावट बताया और दावा किया था कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद राज्य के बाहर के लोग भी वहां जमीन खरीद सकेंगे और वहां निवेश हो सकेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चुनावी सुधारों पर विधेयक को मंजूरी दी,

वोटर आईडी से जोड़ी जाएगी आधार संख्या

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने निर्वाचन आयोग की सिफारिशों के आधार पर चुनावी प्रक्रिया में सुधार के लिए अहम फैसला किया है। समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय मंत्रिमंडल (Union Cabinet) ने बुधवार को चुनावी सुधारों पर एक विधेयक को मंजूरी दे दी। इसमें चुनाव आयोग (Election Commission) को स्वैच्छिक आधार पर मतदाता सूची (electoral rolls) के साथ आधार संख्या (Aadhaar number) को जोड़ने की अनुमति भी शामिल है।केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से पारित विधेयक के अनुसार सेवा मतदाताओं के लिए चुनावी कानून को 'जेंडर न्यूट्रल' बनाया जाएगा। विधेयक का एक अन्य प्रविधान देश के युवाओं को हर साल चार अलग-अलग तिथियों पर मतदाता के रूप में खुद को पंजिकृत करने की अनुमति देगा। अब तक हर साल पहली जनवरी या उससे पहले 18 वर्ष के होने वालों को ही मतदाता के रूप में पंजिकृत करने की अनुमति है।चुनाव आयोग का दावा है कि उसके पायलेट प्रोजेक्ट्स बेहद सफल रहे हैं। ये चुनाव प्रक्रिया में दोहराव यानी डबल मतदान को रोकने में कारगर होंगे। प्रस्ताव के अनुसार 18 साल पूरे करने वाले युवा वोटर के तौर पर साल में एक बार 1 जनवरी के बजाय अब चार कटआफ डेट्स में खुद को रिजिस्ट कर सकेंगे। रिपोर्टों के मुताबिक सरकार इन अहम चुनाव सुधारों को संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में पेश कर सकती है। कानून मंत्रालय निर्वाचन आयोग की सिफारिश को पहले ही हरी झंडी दे चुका था। निर्वाचन आयोग ने सरकार को मतदाता सूची में सुधार, मतदान प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाने के भी प्रस्ताव दिए थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को देखते हुए आधार कार्ड को वोटर आईडी से जोड़ने का फैसला स्वैच्छिक होगा।

63 करोड़ की लागत से बनेगा भव्य सैन्य धाम, किया गया भूमि पूजन

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री धामी ने गुनियाल गांव में किया भूमि पूजन

शहीद सम्मान यात्रा का भी किया विधिवत समापन

देहरादून।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गुनियाल गांव, देहरादून में लगभग 63 करोड़ रूपए की लागत से बने रहे भव्य सैन्य धाम का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर शहीद सम्मान यात्रा का विधिवत समापन भी किया गया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सैन्यधाम हेतु प्रदेश के प्रत्येक शहीद परिवार के आंगन से लाई गई पवित्र मिट्टी को कलश में डाला गया। साथ ही वीर शहीदों के परिजनों से मुलाकात कर तथा उन्हें शौर्य सम्मान पत्र प्रदान देकर सम्मानित भी किया गया।

प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप बनेगा सैन्य धाम

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि हमारी सांस्कृतिक परम्परा है कि जो देश के लिए अपनी जिंदगी न्यौछावर करते हैं, उनको देवतुल्य माना जाता है। उत्तराखण्ड, देवभूमि, तपोभूमि, वीरता और पराक्रम की भूमि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों के अनुरूप उत्तराखण्ड में पांचवा धाम सैन्यधाम बन रहा है। सैन्यधाम में शहीद सैनिकों की आंगन की पवित्र मिट्टी लाई गई है।उत्तराखंड सरकार से जो अपेक्षा थी, उसके अनुरूप सैन्य धाम बनाने का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने इस राज्य को अलग राज्य का दर्जा दिया था।

देश की आन-बान-शान की रक्षा करते हैं वीर सैनिक

केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे शहीद, देश की आन बान शान की रक्षा हेतु कभी पीछे नहीं हटे । उन्होंने कहा ऐसे लोग जिन्होंने राष्ट्रीय की एकता अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी, उनके आंगन की मिट्टी यहां आना गर्व के पल हैं। जो इस सैन्य धाम में आएगा, वह शहीदों की शौर्य गाथा उनकी प्रेरणा लेकर जाएगा। उन्होंने उत्तराखण्ड को वीरों की भूमि बताते हुए सीडीएस जनरल बिपिन रावत के निधन पर शोक जताया। जनरल बिपिन रावत का इस तरह जाना, भारत के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है।

एक दिन में कोविड-19 के 6,984 नए मामले सामने आए, 247 मरीजों की मौत

नई दिल्ली ।

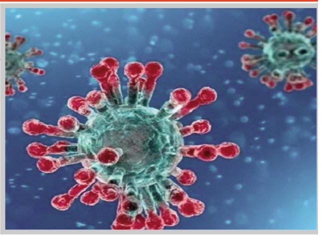

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 6,984 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,47,10,628 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 87,562 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में 247 और मरीजों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,76,135 हो गई। देश में लगातार 48 दिन से कोविड-19 के दैनिक मामले 15 हजार से कम सामने आ रहे हैं। उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 87,562 हो गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 0।25 प्रतिशत है। यह दर मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,431 की कमी दर्ज की गयी है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98।38 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सर्वाधिक है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

अमेरिकी बाजारों में भारतीय फलों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं : गोयल

नई दिल्ली ।

सरकार ने बुधवार को बताया कि भारत से अनार के दानों के निर्यात को अमेरिका द्वारा 2018 में रोक दिया गया था, हालांकि पिछले महीने 12वें भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच की बैठक में अमेरिका ने अनार के दानों के लिए बाजार पहुंच को अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की है। लोकसभा में सुधीर गुप्ता और रवीन्द्र कुशवाहा के प्रश्न के लिखित उत्तर में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी। सदस्यों ने पूछा था कि क्या अमेरिका ने अपने बाजारों में भारतीय फलों के प्रवेश पर लगा प्रतिबंध हटा दिया है? इस पर गोयल ने कहा अमेरिका के बाजार में भारतीय फलों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं है। भारत के पास केला, अनार, आम, तरबूज और नारियल सहित फलों के बाजार पहुंच है। तथापि, अनार के दानों के निर्यात को अमेरिका द्वारा 2018 में रोक दिया गया था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा इसके अतिरिक्त, भारतीय आम और अनार के फलों के निर्यात कोविड-19 महामारी के मद्देनजर 2020 से रोक दिया गया था, क्योंकि यात्रा प्रतिबंधों के कारण अमेरिकी निरीक्षकों द्वारा निर्यात पूर्व निकासी निरीक्षण नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा 12वें भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच की 23 नवंबर 2021 को आयोजित बैठक में, अमेरिका ने अनार के दानों के लिए बाजार पहुँच को अंतिम रूप देने के साथ-साथ भारत में आम और अनार के लिए पूर्व मंजूरी हेतु निगरानी हस्तांतरण पर सहमति व्यक्त की, जो इन वस्तुओं के अमेरिका को निर्यात को सुगम बनाएगा। पीयूष गोयल ने बताया कि भारत से अमेरिका में करेला और बैगन जैसी सब्जियों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि वाणिज्य खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएस) के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने अमेरिका को 2019-20 में 72.57 मिलियन डॉलर और 2020-21 में 1.01 करोड़ डॉलर मूल्य की सब्जियों का निर्यात किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में गठित भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के मुद्दों पर चर्चा और समाधान के लिए एक द्विपक्षीय मंच है।

भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने किए रामलला और हनुमान गढ़ी के किए दर्शन

अयोध्या ।

अयोध्या में पहली बार भाजपा शासित 11 राज्यों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री बुधवार को एक साथ रामलला का दर्शन किया देश में इस समय 11 राज्यों में भाजपा की सरकार है। सभी मुख्यमंत्री सरयू घाट पर प्रार्थना के बाद हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। यहां सभी मुख्यमंत्री जेपी नड्डा के साथ रहे। इसके बाद उन्होंने राम लला मंदिर के दर्शन किए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों व उपमुख्यमंत्रियों ने सरयू घाट पर पूजा-अर्चना की। पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि यह दिल की तमन्ना थी कि यहां भव्य राम मंदिर बने। यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि करोड़ों भारतीयों का सपना पूरा हो रहा है। काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण हो जाने के बाद वहां मुख्यमंत्रियों की एक बैठक हुई। हम सभी राम लला के दर्शन करना चाहते थे। हम बन रहे भव्य मंदिर का निरीक्षण भी करना चाहते थे। मुख्यमंत्री समय-समय पर मिलते रहते हैं। चूंकि सभी काशी आए थे तो वो साथ में राम लला के भी दर्शन करना चाहते थे। बुधवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, असम के सीएम हिमंता बिस्वा शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब देव, बिहार की उप मुख्यमंत्री रेणु देवी, अरुणाचल के मुख्यमंत्री प्रेमा खांडू और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह अयोध्या पहुंचे। सभी मुख्यमंत्रियों का अयोध्या पहुंचने पर स्वागत किया गया।

ओमिक्रोन के और तीन मामलों की पुष्टि

ब्रिटेन से आए तीन अन य यात्री कोविड-19 पाजिटिव, हरकत में केंद्र सरकार

नई दिल्ली।

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के तीन और नए मामले सामने आए हैं। इनमें से दो मरीज तेलंगाना और एक बंगाल का है। तेलंगाना में ओमिक्रोन से संक्रमित पाए गए दोनों मरीज गैर जोखिम वाले देशों से आए हैं जबकि ब्रिटेन से आए तीन लोगों को कोरोना से संक्रमित पाया गया है और इन्हें ओमिक्रोन का संदिग्ध मामला मानकर आगे की जांच कराई जा रही है। इस बीच केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आक्सीजन उपकरणों की पूर्ण कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। तेलंगाना के सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशक डा. जी. श्रीनिवास राव ने बताया कि केन्या की 24 साल की एक महिला और सोमालिया के 23 साल के एक लड़के को ओमिक्रोन से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। ये लोग निजी काम से हैदराबाद आए थे और अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर जांच में कोरोना संक्रमित पाए गए थे। मंगलवार को इनकी जीनोम सीक्वेंसिंग की रिपोर्ट आई तो इनके ओमिक्रोन से संक्रमित होने का पता चला। इन्हें हैदरबाद में क्वारंटाइन में रखा गया है और ठीक होने के बाद वापस उनके देश भेज दिया जाएगा। ओमिक्रोन का तीसरा मामला बंगाल में पाया गया है। बंगाल में ओमिक्रोन का यह पहला केस है। यह सात का बच्चा है जो हैदराबाद होते हुए आबू धाबी से बंगाल के मुर्शिदाबाद पहुंचा है। उसे मुर्शिदाबाद के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हैदराबाद एयरपोर्ट पर उसकी जांच कराई गई थी और कोरोना संक्रमित पाए जाने पर उसके सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा गया था। मंगलवार को जीनोम सीक्वेंसिंग की रिपोर्ट आने पर उसके ओमिक्रोन से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। वहीं, कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि बेंगलुरु हवाई अड्डे पर ब्रिटेन से आए तीन लोगों को कोरोना से संक्रमित पाया गया है। इनमें नौ साल का एक बच्चा भी शामिल है। इन्हें विशेष कोरोना अस्पताल में भर्ती कराया गया है और इनके नमूने की जीनोम सीक्वेंसिंग कराई जा रही है। साथ ही इनके संपर्क में आए लोगों की भी जांच कराई जा रही है और रिपोर्ट आने तक सभी से आइसोलेशन में रहने को कहा गया है। बेंगलुरु में एक हफ्ते के दौरान जोखिम वाले देशों से आए 20 लोगों को कोरोना संक्रमित पाया गया है और सभी के सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं और रिपोर्ट का इंतजार है। वहीं केरल में बुधवार को बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 4,006 नए मामले सामने आए जबकि 125 लोगों की मौत हो गई। वहीं इस दौरान 3,898 लोगों ने महामारी को शिकस्त दी। केरल में महामारी से अब तक 43,626 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं ओमिक्रोन के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने बुधवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक की। बैठक में केंद्र सरकार ने राजे यों को महामारी से निपटने के लिए पर्याप्त मात्रा में मेडिकल आक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सभी आक्सीजन उपकरणों की जांच परख करने को कहा। सरकार ने कहा कि इन संयंत्रों की पूर्ण कार्यक्षमता को सुनिश्चित करने के लिए माक ड्रिल का आयोजन कराया जाना चाहिए।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईलः-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com